RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 शर्मिन सेगल ने ठुकरा दिया...

वर्ष : 26 अंक : 133 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 05 मई, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

ग्रेटर नोएडा से चार दिन पहले अपहरण हुए बच्चे की हत्या

बुलंदशहर के बलिपुरा नहर में मिला शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ऐच्छर इलाके के ढाबा संचालक के बच्चे का 4 दिन पहले अपहरण हुआ था। व्यापारी के अपहृत बच्चे की हत्या करके उसका शव नहर में फेंक दिया गया है। बच्चे की हत्या की खबर से ग्रेटर नोएडा में कोहराम मच गया है। बच्चे के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है।

ग्रेटर नोएडा के एक व्यापारी कृष्ण शर्मा के (15 वर्षीय) बेटे कुणाल का बुलंदशहर जिले के देहात कोतवाली इलाके की बलिपुरा नहर में शव मिला है। चार दिन पहले कार सवार बदमाशों ने इस बच्चे का अपहरण

किया था। अपहरण की यह वारदात सीसीटीवी में कैद हुई थी। अगर पुलिस इस मामले को लेकर तत्परता दिखाती तो शायद व्यापारी के बेटे की जान बचाई जा सकती थी। इस मामले को लेकर पुलिस का कहना था कि कुणाल कार सवार बदमाशों के साथ खुद ही उनकी कार में बैठकर गया है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र के ऐच्छर इलाके के शिवा ढाबा के संचालक बुधवार की दोपहर में वह किसी काम से मार्केट गए थे। उस समय उसका (15 वर्षीय) बेटा ढाबे पर बैठा हुआ था। दोपहर बाद स्कोडा कार में सवार कुछ लोग ढाबे पर आए। उन्होंने उसके बेटे को अपने पास बुलाया। आरोप है कि कार के पास जाते ही कार सवार आरोपियों ने उनके बेटे को धक्का देकर गाड़ी में बैठा लिया। इस काम में आरोपियों के साथ मौजूद एक युवती भी उनकी मदद कर रही थी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद पुलिस उस आधार पर मामले की जांच कर रही थी। हालांकि पुलिस जांच में दावा किया जा रहा था कि किशोर अपनी मर्जी से गया है, जल्दी उसको बरामद कर लिया जाएगा। लेकिन पुलिस व्यारापी के बेटे को सकुशल बरामद करने में नाकामयाब रही।

नोएडा में आज ट्रैफिक डायवर्जन

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण की ओर से शाहबेरी मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण एवं आरसीसी ड्रेन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के कारण रोड के मरम्मत होने तक मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा।

निर्माण कार्य होने के कारण शाहबेरी गांव से क्रासिंग रिपब्लिक गाजियाबाद की ओर जाने वाले और एनएच-24/एबीईएस कॉलेज गाजियाबाद से शाहबेरी होकर इटेहडा, किसान चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर डायवर्जन रहेगा।

बता दें कि शाहबेरी में फर्नीचर दुकानदारों ने डिवाइडर को हटाकर मनमुताबिक कट बना रखे है। अभी कट छोटा होने के कारण यहां गाड़ियों को मुड़ने में समय लगता है। सड़क चौड़ी करने के साथ नालियों को दुरूस्त कर एक बड़ा कट बनाया जाने की जरूरत थी। इसके अलावा बड़ी संख्या में सोसाइटी में रहने वाले लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं, जो बीच सड़क वाहन खड़े कर देते हैं।

पीछे से आ रही गाड़ी जिसे क्रॉसिंग रिपब्लिक की ओर जाना होता है वह जाम में फंसती है। यहां पार्किंग के लिए जगह नहीं है। सड़क, नाली और डिवाइडर मरम्मत के बाद जाम की संभावना कम हो सकती है। इसलिए सड़क की मरम्मत की जानी है।

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव का कहना है कि यातायात डायवर्जन के दौरान इमरजेंसी वाहनों को सकुशल पास कराया जाएगा। कृपया असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें। यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर संपर्क कर सकते है।

ऐसा रहेगा यातायात

एनएच-24/एबीईएस0 कालेज/क्रासिंग रिपब्लिक गाजियाबाद से शाहबेरी होकर इटेहडा गोलचक्कर/किसान चौक की ओर जाने वाला यातायात तिगरी गोलचक्कर से गौर सिटी-2 होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

सूरजपुर, बिसरख, तिलपता, एक-मूर्ति गोलचक्कर से शाहबेरी होकर गाजियाबाद/एनएच-24 की ओर जाने वाला यातायात चार मूर्ति/किसान चौक से यूटर्न कर तिगरी गोलचक्कर होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

फेज-2/ सोरखा/ पर्थला से शाहबेरी होकर गाजियाबाद/ एनएच-24 की ओर जाने वाला यातायात पर्थला गोलचक्कर से गढ़ी गोलचक्कर, छिजारसी होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

सेक्टर-52/71 से शाहबेरी होकर गाजियाबाद/ एनएच-24 की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-71 से सेक्टर-61, सेक्टर-60 अंडरपास, सेक्टर-62 होकर अपने गंतव्य को जा सकेगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा, छह लोगों की मौत

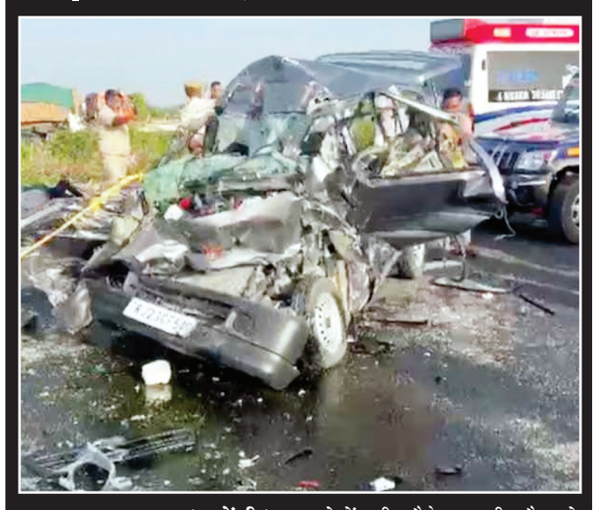

राजस्थान (एजेंसी)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर आज सुबह हुए सड़क हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए। कार सवार रणथंभौर गणेश मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी।

सुबह आठ बजे बौंली थाना क्षेत्र में बनास पुल के पास हुआ यह भीषण हादसा हुआ। कार में सीकर का एक परिवार था जो गणेश जी के दर्शन करने रणथंभौर जा रहा था। इस दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे कार हादसे का शिकार हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और शव को पोस्टमार्टम के मोर्चरी भेजा।

थाना अधिकारी धर्मपाल ने बताया कि मृतकों में अनीता पति मनीष शर्मा, संतोष पत्नी कैलाश शर्मा, कैलाश पुत्र रामअवतार शर्मा, पूनम पत्नी सतीश शर्मा, मनीष पुत्र रामअवतार शर्मा और सतीश शर्मा शामिल हैं। मृतकों के नाम की आधिकारिक पुष्टि परिजनों के पहुंचने के बाद ही हो सकेगी। हादसे में घायल दो बच्चों को बौंली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जिन्हें बाद में जयपुर रेफर कर दिया गया है।

पुंछ अटैक में पाकिस्तान का हाथ!

PAFF ने ली हमले की जिम्मेदारी | **20 कि.मी. का इलाका घेरा... ड्रोन से आतंकियों की खोज**

जम्मू-कश्मीर/पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकवादी हमले की पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी समूह पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (PAFF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस आतंकवादी संगठन अगले 20 दिनों में और भी ऐसे हमले करने का दावा किया है।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक इस हमले की भूमिका 4 दिन पहले उसे समय बनी जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने पाकिस्तान वायु सेवा के समारोह में बोलते हुए कश्मीर के लोगों को हर तरह से समर्थन देने का ऐलान किया। इसके फौरन बाद पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों

पर दबाव बनाया गया कि वह कोई बड़ी वारदात करें। खुफिया सूत्रों के मुताबिक कि इस हमले का मकसद श्रीनगर अनंतनाग बारामूला में होने वाले लोकसभा चुनाव में व्यवधान पैदा करना है और वोटरों को डराना है, जिससे वह वोट देने ना निकलें।

पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट यानी पीएएफएफ पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का ही बदला हुआ रूप है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद हुई कई वारदातों में पीएएफएफ का नाम सामने आया है। यह आतंकी समूह खुद को अंसार गजवत-उल-हिंद के मारे गए कमांडर जाकिर मूसा से प्रेरित बताया है, जो वैश्विक आतंकी समूह अल कायदा के लिए वफादार माना जाता है।

इस बीच भारतीय सुरक्षाबलों ने पुंछ जिले के रविवार को कई इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। यहां आतंकवादियों का पता लगा हेलिकॉप्टर और ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। रविवार सुबह शुरू हुए इस व्यापक तलाशी अभियान की निगरानी जीओसी, डीआईजी और पुंछ जिले के एसएसपी सहित सेना और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं।

दिल्ली के केशवपुरम में मासूम भाई-बहन की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। केशवपुरम थाना क्षेत्र के रामपुरा में दो मासूम भाई-बहन की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। लड़की की उम्र 13 व लड़के की 11 वर्ष है। दोनों बच्चों के शव घर के ग्राउंड फ्लोर पर अपने पिता की परचून की दुकान में मिले। घटना के बाद से बच्चों का पिता गायब है।

बताया जाता है कि पिता दोपहर में दोनों बच्चों को स्कूल से लेकर आया था। शाम तक बच्चे घर नहीं पहुंचे तो बच्चों की मां परचून की दुकान पर पहुंची। दुकान का शटर खुलवाया तो दोनों बच्चे मृत अवस्था में पाए गए। पुलिस को अंदेशा है कि बच्चों की हत्या जहर देकर या गला घोंटकर की गई है।

बच्चों की हत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। शनिवार शाम 7.09 मिनट पर पुलिस को इस घटना की कॉल मिली। पुलिस केशवपुरम के रामपुरा स्थित सैनी वाली गली में पहुंची। दोनों भाई बहन दुकान के ऊपर बने मकान में अपने माता पिता के साथ रहते थे। दोनों बच्चे रोज की तरह स्कूल गए थे, आमतौर पर दोपहर दो बजे तक स्कूल से घर लौट आते थे।

शनिवार शाम तक बच्चे घर नहीं लौटे तो मां ने अपने पति को फोन लगाया।कई बार प्रयास के बाद भी पति से संपर्क नहीं हुआ तो वह ग्राउंड फ्लोर पर परचून की दुकान पर पहुंची। दुकान का शटर बंद पाया, इसके बाद उसने अपने रिश्तेदार को बुलाकर शटर खुलवाया तो दोनों बच्चे बेसुध हाल में मिले। इसके बाद बच्चों को दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया।

टूट सकता है बजरंग पूनिया का पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना

नई दिल्ली। भारत के स्टार रेसलर बजरंग पूनिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बजरंग का इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना चकनाचूर हो सकता है। नाडा ने डोप टेस्ट के सैंपल नहीं देने की वजह से बजरंग को सस्पेंड कर दिया है। नाडा द्वारा सस्पेंड किए जाने के बाद बजरंग का ओलंपिक के लिए होने वाले फाइनल ट्रायल में पार्ट लेना भी मुश्किल हो चला है।

बजरंग पूनिया ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल्स के दौरान यूरिन सैंपल नहीं दिया था, जिसके चलते नाडा ने उनको सस्पेंड करने का फैसला लिया है। सस्पेंड होने के चलते बजरंग इस मामले की सुनवाई नहीं होने तक किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे।

यानी बजरंग पूनिया पेरिस ओलंपिक में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं, यह कहना अब काफी मुश्किल हो गया है। नाडा द्वारा लगाए गए बैन के चलते बजरंग पूनिया पेरिस ओलंपिक के लिए होने वाले सेलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा भी नहीं ले पाएंगे। यह ट्रायल्स इसी महीने के अंत में होने हैं। 65 किलोग्राम की कैटेगिरी में कोई भी भारतीय रेसलर अब तक ओलंपिक का टिकट हासिल नहीं कर सका है।

एल्विश यादव के खिलाफ ईडी ने मनी लांड्रिंग के तहत दर्ज किया मुकदमा

नोएडा। सर्पविष तस्करी प्रकरण में फंसे बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एल्विश यादव की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एल्विश यादव के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। ईडी मुख्यालय के निर्देश पर राजधानी लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय द्वारा इस प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

ईडी की ओर से एल्विश यादव से पूछताछ के लिए समन भेजने की तैयारी चल रही है। वहीं ईडी की टीम जल्द ही नोएडा पुलिस से संपर्क कर सकती है। बता दें कि भाजपा सांसद मेनका गांधी की

संस्था पीपुल्स फार एनिमल्स के पदाधिकारी गौरव गुप्ता की शिकायत पर एल्विश यादव समेत छह लोगों के खिलाफ नोएडा की कोतवाली सेक्टर-49 में नवंबर 2023 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने मामले में चार सपेरों समेत पांच लोगों को संस्था की मदद से गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने मार्च 2024 में एल्विश यादव समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था। पुलिस की ओर से इन मामले में एक हजार पन्नों का आरोप पत्र भी न्यायालय में दाखिल कर दिया गया है। अब, ईडी इस मामले में बड़े कार्रवाई की तैयारी में है।

जांच के दायरे में एल्विश यादव की महंगी गाड़ियां

वहीं एल्विश यादव की महंगी गाड़ियां भी जांच के दायरे में हो सकती हैं। ईडी को एल्विश के पास कई लग्जरी गाड़ियों का काफिला होने की जानकारी भी मिली है। इसके बारे में उनसे पूछताछ की जाएगी। एल्विश यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने वाले गौरव गुप्ता का कहना है कि इस मामले में हमने पूर्व में ही सभी आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। एल्विश यादव ही नहीं इस मामले में हरियाणवी गायक फाजिलपुरिया की भूमिका भी जांच की जानी चाहिए। पुलिस ने कई और आरोपितों को पकड़ने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से दो लोगों की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा कोतवाली सेक्टर-20 क्षेत्र के सेक्टर-26 स्थित एक घर में सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान शुक्रवार देर रात दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-26 के सुमित चावला ने सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए शुक्रवार शाम दो लोगों को बुलाया। सेक्टर-9 जेजे कॉलोनी में रहने मूलरूप से बंगाल के मालदा जिले के नूनी मंडल व तपन मंडल पहुंच गए।

जैसे ही दोनों सेप्टिक टैंक में सफाई करने उतरे तो उनका दम घुटने लगा। देखते ही देखते दोनों जहरीली गैस के चपेट में आ गए।

किसी तरह दोनों को बाहर

निकाला गया और कैलाश अस्पताल पहुंचाया गया। जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया।

अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह का कहना है कि शवों को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

मृतक पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं नहीं दी गई है। शिकायत मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

भूमाफिया ने बेची 500 करोड़ की सरकारी जमीन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भूमाफिया ने ग्रेटर नोएडा के जारचा और नूरपुर में 500 करोड़ की सरकारी जमीन बेच दी। मामले में लेखपाल चंद्रवीर सिंह की रिपोर्ट के आधार पर अपर आयुक्त मेरठ मंडल ने जिलाधिकारी मनीष कुमार को दोबारा जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए। जारचा और नूरपुर में शत्रु संपत्ति की कस्टोडियन जमीन और सरकारी जमीन का फर्जी विक्रेता खड़ा कर बेचने वाले गिरोह के खिलाफ मेरठ अपर आयुक्त ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को जांच करने के आदेश दिए हैं।

मामले में सरकारी कस्टोडियन जमीन को फर्जी तरीके से बेचकर करीब 500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया गया है। मेरठ अपर आयुक्त ने कस्टोडियन जमीन के करीब 500 करोड़ के घोटाले की जांच के लिए जिला अधिकारी को पत्र जारी किया है। भूमाफिया ने दादरी तहसील के नूरपुर गांव की करीब 100 बीघा कस्टोडियन जमीन को फर्जी तरीके से बेच दिया। यह जमीन उन लोगों की थी, जो आजादी के बाद देश छोड़कर चले गए थे। ऐसे लोगों की जमीन को कस्टोडियन जमीन घोषित किया गया था। इसके अलावा गांव नूरपुर और जारचा में ग्राम सभा समेत अन्य सैकड़ों बीघा जमीन को फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर बेचा गया।

सरकारी जमीन को बेचकर भू माफिया ने करीब 500 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा लिया। मामले में शामिल सभी आरोपियों को चार साल पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी ने भूमाफिया घोषित किया था। इसके बावजूद यह फाइल दब गई। अब इस मामले में दोबारा मेरठ अपरायुक्त शमशाद हुसैन ने जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा को भूमाफिया घोषित किए गए चार लोगों के खिलाफ जांच पूरी कर रिपोर्ट देने और कार्रवाई के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

इस मामले की जांच दादरी तहसील में लेखपाल चंद्रवीर कर रहे थे। लेखपाल ने बताया कि जांच के दौरान गलत आख्या प्रस्तुत करने का उन पर दबाव बनाया गया। जब गलत आख्या नहीं लगाई गई, तो फर्जी मेडिकल बनवाकर उन पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। इसके बाद लेखपाल ने अपने मुकदमे की पैरवी की और फर्जी मेडिकल तथा अन्य दस्तावेज पुलिस को सौंपे।

जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि जिले में शत्रु संपत्ति के विभिन्न मामलों को लेकर जिला प्रशासन की टीमें जांच कर रही हैं और पिछले कुछ समय में शत्रु संपत्ति की जमीनों को कब्जा मुक्त भी कराया गया है। बरौला, शाहबेरी, दनकौर, नूरपुर और जारचा में शत्रु संपत्ति के मामलों में जिला प्रशासन की जांच जारी है। इन जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जमीनों को कब्जा मुक्त कराया जाएगा। इन जमीनों पर अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

पार्टी की मजबूरी

अब यह उजागर है कि प्रत्याशी के चुनाव में राजनीतिक दलों से साफ-सुथरी छवि का ध्यान रखने की चाहे जितनी अपेक्षा और मांग की जाए, पर उनका मकसद एक ही होता है। वे उसी को उम्मीदवार बनाते हैं, जिसके जीतने की संभावना अधिक होती है, चाहे वह आपराधिक छवि का ही क्यों न हो। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारेगी। इसे लेकर उसमें ऊहापोह भी देखी जा रही थी। मगर लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उसने उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दे दिया। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में अदालत की सुनवाइयों का सामना कर रहे हैं। उनकी वजह से भाजपा को खासी किरकिरी झेलनी पड़ी। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ ने भी बृजभूषण शरण सिंह पर अंगुली उठाई थी, जिसके चलते उन्हें कुश्ती महासंघ के चुनाव से अलग रहना पड़ा। मगर उन्होंने कुश्ती महासंघ पर अपना दबदबा कायम रखने की नीयत से अपने एक करीबी को अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया और उसे ही विजय भी मिली। उस पर भी अंगुलियां उठनी शुरू हुईं, तो खेल मंत्रालय को आखिरकार बृजभूषण शरण सिंह के करीबी को अध्यक्ष पद से हटाना पड़ा। यह समझना मुश्किल है कि भाजपा के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने बृजभूषण शरण सिंह से अपना पल्ला छुड़ाना उचित नहीं समझा। उनकी जगह उनके बेटे को टिकट दे दिया। इससे बृजभूषण शरण सिंह को लेकर उठ रहे सवाल शांत नहीं हो जाएंगे। इसके पीछे एक वजह तो यह बताई जाती है कि उत्तर प्रदेश में राजपूत समाज लगातार भाजपा पर आरोप लगा रहा था कि वह राजपूत समाज के प्रत्याशियों का टिकट काट रही है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि बृजभूषण का टिकट कटने से उनके बगावत करने और उस सीट से भाजपा के हारने की आशंका हो सकती थी। मगर इस तरह समझौता करके भाजपा अगर अपनी एक सीट बचा भी ले, तो इससे उसके सिद्धांतों पर सवाल तो उठेंगे ही। लंबे समय से मांग की जा रही है कि राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों का चयन करते हुए उनकी छवि का ध्यान रखें। निर्वाचन आयोग ने भी कहा था कि राजनीतिक दल आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करें। अगर वे किसी ऐसे प्रत्याशी को टिकट देती हैं, तो उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना होगा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्या उसकी जगह कोई और प्रत्याशी नहीं मिला। बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे को टिकट देकर बेशक भाजपा इस जवाबदेही से बच गई है, पर यह तो जाहिर है कि वह चुनाव उनका बेटा नहीं, एक तरह से वे खुद लड़ेंगे। बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। यह भी छिपी बात नहीं है कि उनके खिलाफ आंदोलन पर उतरी महिला खिलाड़ियों को किस तरह दमन के जरिए आंदोलन से हटाया गया। इन सबको लेकर लगातार सरकार के रवैये पर सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी जगह उनके बेटे को टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से एक नए विवाद को गले लगा लिया है। इसे लेकर विपक्षी दलों और महिला खिलाड़ियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे गरुड़जी! अपने हृदय में विचार कर देखिए, क्या मैं भी श्री रामजी के भजन का अधिकारी हूँ? पक्षियों में सबसे नीच और सब प्रकार से अपवित्र हूँ, परंतु ऐसा होने पर भी प्रभु ने मुझको सारे जगत को पवित्र करने वाला प्रसिद्ध कर दिया (अथवा प्रभु ने मुझको जगत्प्रसिद्ध पावन कर दिया)॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-आजु धन्य मैं धन्य अति जद्यपि सब बिधि हीन।
निज जन जानि राम मोहि संत समागम दीन॥

यद्यपि मैं सब प्रकार से हीन (नीच) हूँ, तो भी आज मैं धन्य हूँ, अत्यंत धन्य हूँ, जो श्री रामजी ने मुझे अपना निज जन जानकर संत समागम दिया (आपसे मेरी भेंट कराई)॥

नाथ जथामति भाषेउँ राखेउँ नहिं कछु गोइ।
चरित सिंधु रघुनायक थाह कि पावइ कोइ॥

हे नाथ! मैंने अपनी बुद्धि के अनुसार कहा, कुछ भी छिपा नहीं रखा। (फिर भी) श्री रघुवीर के चरित्र समुद्र के समान हैं, क्या उनकी कोई थाह पा सकता है?॥

सुमिरि राम के गुन गन नाना। पुनि पुनि हरष भुसुंडि सुजाना॥
महिमा निगम नेत करि गाई। अतुलित बल प्रताप प्रभुताई॥

श्री रामचंद्रजी के बहुत से गुण समूहों का स्मरण कर-करके सुजान भुशुण्डिजी बार-बार हर्षित हो रहे हैं। जिनकी महिमा वेदों ने 'नेति-नेति' कहकर गाई है, जिनका बल, प्रताप और प्रभुत्व (सामर्थ्य) अतुलनीय है,॥

सिव अज पूज्य चरन रघुराई। मो पर कृपा परम मृदुलाई॥
अस सुभाउ कहुँ सुनउँ न देखउँ। केहि खगेस रघुपति सम लेखउँ॥

जिन श्री रघुनाथजी के चरण शिवजी और ब्रह्माजी के द्वारा पूज्य हैं, उनकी मुझ पर कृपा होनी उनकी परम कोमलता है। किसी का ऐसा स्वभाव कहीं न सुनता हूँ, न देखता हूँ। अत: हे पक्षीराज गरुड़जी! मैं श्री रघुनाथजी के समान किसे गिनूँ (समझूँ)?॥

साधक सिद्ध बिमुक्त उदासी। कबि कोबिद कृतग्य संन्यासी॥
जोगी सूर सुतापस ग्यानी। धर्म निरत पंडित बिग्यानी॥

साधक, सिद्ध, जीवनमुक्त, उदासीन (विरक्त), कवि, विद्वान, कर्म (रहस्य) के ज्ञाता, संन्यासी, योगी, शूरवीर, बड़े तपस्वी, ज्ञानी, धर्मपरायण, पंडित और विज्ञानी-॥

(क्रमशः...)

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रूडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का 'ठंडा' रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रूडो को कनाडा के मीडिया ने भी आडे हाथ लिया है।

ट्रूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रुडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं।

ट्रूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रुडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बड़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया। इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच शुरू हुई। अच्छी बात यह भी है कि इस मामले को दोनों देशों के संबंधों के खटास का माध्यम नहीं बनने दिया। जांच के निष्कर्षों को दोनों देशों ने स्वीकार किया एवं बेवजह का विवाद खड़ा नहीं होने दिया। कनाडा को भी अमेरिका से कुछ सीखना चाहिए एवं निज्जर हत्याकांड में भारत की अगर कोई भूमिका है तो उसके सबूत भारत सरकार को देने चाहिए। कोरे आरोप लगाकर आपसी संबंधों को बिगाड़ने से परहेज करना चाहिए। अपनी भूमि का उपयोग भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा करती गतिविधियों के लिये कत्तई नहीं करने देना चाहिए।

बात कनाड़ा के साथ-साथ अन्य देशों पर भी लागू होती है जो अपने राजनीतिक हितों के लिये खालिस्तान समर्थक या अन्य भारत विरोधी आन्दोलनों को जगह देते हैं, लेकिन इन देशों ने भी समझा है और समझना ही होगा कि किसी देश के अन्दरूनी मामलों में दखलअंदाजी करना उनके लिये ही हानिकारक होने वाला है। भारत अब एक महाशक्ति है, कनाड़ा जैसे देशों की भारत-विरोधी गतिविधियों से भारत की सेहत पर कोई असर नहीं पडेगा।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

जब चंद्रशेखर के खिलाफ लगा था नारा

इंदिरा गांधी की हत्या के बाद की शोक अवधि बीतते ही चुनाव आयोग ने सातवीं लोकसभा के चुनावों का ऐलान कर दिया था...चुनाव घोषणा की वह तारीख थी, 13 नवंबर 1984...इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुई देशव्यापी सिख विरोधी हिंसा की आंच भले ही ठंडी पड़ चुकी थी, लेकिन उसकी तपिश महसूस की जा रही थी। लोगों के दिल में इंदिरा की हत्या से उपजा क्षोभ अभी ताजा था..इसी बीच चुनाव आ गए...

उन दिनों विपक्ष का सबसे बड़ा दल था, जनता पार्टी। जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर तीसरी बार अपनी पारंपरिक उत्तर प्रदेश की बलिया सीट से मैदान में उतरने की तैयारी कर चुके थे। उन दिनों लोकसभा की बलिया नाम से दो सीटें थी, पहली उत्तर प्रदेश की बलिया, जो अब भी है, और दूसरी बिहार की बलिया, जो परिसीमन के बाद खत्म हो चुकी है। नवंबर 1984 के आखिरी हफ्ते की कोई तारीख थी। चंद्रशेखर नामांकन दाखिल करने के लिए बलिया आ रहे थे। तब इलाहाबाद से बरौनी तक मीटर गेज की रेल चलती थी। इसी रेल रूट पर बलिया भी पड़ता है। तब बलिया से वाराणसी के बीच छुकछुकिया यानी भाप इंजन वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस चलती थी। जो वाराणसी से चलकर करीब बारह बजे बलिया पहुंचती थी। चंद्रशेखर उसी इंटरसिटी एक्सप्रेस बलिया आ रहे थे। इसकी जानकारी उनके समाजवादी कार्यकर्ताओं के तमाम लोगों की थी। उन दिनों चंद्रशेखर को बलिया के लोग दो नामों से ज्यादा पुकारते थे, अध्यक्ष जी और दाढ़ी। चंद्रशेखर इंटरसिटी से जैसे ही बलिया के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उतरे, उनके कार्यकर्ता फूलमालाओं के साथ उनके स्वागत में बढ़े तो कुछ दूर स्थित युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने जोर-जोर से नारा लगाना शुरू कर दिया, भिंडरवाला वापस जाओ, भिंडरवाला वापस जाओ..

जून 1984 में सिखों के तीर्थ स्थल अमृतसर के स्वर्णमंदिर में सैनिक कार्रवाई हुई थी..उस कार्रवाई में पंजाब को दहशत का केंद्र बनाने वाला जनरैल सिंह भिंडरवाला मारा जा चुका था। इसी कार्रवाई से सिख समुदाय गुस्से में था, जिसकी दुखद परिणति 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के रूप में सामने आई। चंद्रशेखर ने स्वर्णमंदिर में सैनिक कार्रवाई का जोरदार शब्दों में विरोध किया था..इंदिरा की हत्या के बाद उनका यह विरोध चर्चा में आ गया था.. तत्कालीन सहानुभूति लहर के चलते इस बयान की वजह से चंद्रशेखर भी लोगों के निशाने पर थे...

बलिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ लगा नारा उसी क्षोभ की अभिव्यक्ति कहा जा सकता है..चंद्रशेखर नारा लगा रहे युवाओं की तरफ कुछ कदम बढ़ाए भी..कुछ देर के लिए नारा थम गया..लेकिन बाद में नारा तब तक लगता रहा, जब तक वे प्लेटफॉर्म से निकलकर अंबेसडर कार से बलिया कलेक्ट्रेट नहीं चले गए..

बलिया कलेक्ट्रेट में नामांकन दाखिल करने के बाद उनकी सभा शहर के रामलीला मैदान में हो रही थी..जाड़े की गुनगुनी धूप ढलने लगी थी..जुलूस के साथ चंद्रशेखर रामलीला मैदान पहुंचे। तब वे खादी मटका का कुर्ता, धोती और बंडी पहने थे। कंधे पर बेतरतीब चादर भी थी..उनके नामांकन को कवर करने के लिए कुछ विदेशी पत्रकार भी बलिया पहुंचे थे..

रामलीला मैदान की उस सभा में बैठने का इंतजाम नहीं था..ज्यादातर लोग खड़े ही थे...चंद्रशेखर मंच पर पहुंचे..भिंडरवाला वापस जाओ के नारे से हुए स्वागत से उन्हें भरोसा हो गया था कि स्वर्णमंदिर में हुई सैनिक कार्रवाई के चलते लोगों में उन्हें लेकर गुस्सा है। लिहाजा उन्होंने अपने भाषण में सफाई देनी शुरू की...जिस सिख कौम के लिए सिखों के गुरू तेगबहादुर ने अपने शीश चढ़ा दिया, जिसके लिए गुरू गोविंद सिंह के दो बेटों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया..उस महान कौम के तीर्थ स्थल पर सैनिक कार्रवाई का विरोध करके मैंने गलती कहां की।

अभी चंद्रशेखर का वाक्य पूरा ही नहीं हुआ कि तकरीबन पूरे मैदान से विरोध के सुर फूट पड़े, कोई उन्हें भोजपुरी में दाढ़ी के संबोधन के साथ चुप रहने की नसीहत दे रहा था..तो कोई उनके सफाई देने पर सवाल उठा रहा था।

चंद्रशेखर समवेत विरोध के इस सुर से चकित रह गए.. बेशक तब तक वे बड़े नेता के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनकी अपीलों का कोई असर नहीं हुआ..लोगों ने उनका खुलकर विरोध किया..विरोध का प्रमुख वजह रही इंदिरा की हत्या को लेकर कांग्रेस के प्रति उपजी हमदर्दी और गुस्सा...

1977 और 1980 के चुनावों में जिस बलिया ने चंद्रशेखर को अपना संसदीय ताज बनाया, उसी बलिया ने दिसंबर 1984 में हुए आम चुनावों में नापसंद कर दिया..कांग्रेस के जगन्नाथ चौधरी के हाथों जनता पार्टी के अध्यक्ष जी को 54 हजार 940 वोटों से हार मिली...बलिया से कांग्रेस के आखिरी नुमाइंदे जगन्नाथ चौधरी ही रहे..उसके बाद 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनावों में चंद्रशेखर को लगातार जीत मिली...उनके निधन के बाद हुए 2007 के उपचुनाव में उनके बेटे नीरज शेखर समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते। नीरज को 2009 में भी जीत मिली, लेकिन 2014 में वे हार गए। अब वे बीजेपी में शामिल हो चुके हैं और अपने पिता की विरासत पर बीजेपी के टिकट पर दावा ठोक रहे हैं...

बलिया में जब भी चुनाव आता है, चंद्रशेखर की याद आना स्वाभाविक है और इसके साथ ही उनके खिलाफ 1984 में लगा वह नारा भी, भिंडरवाला वापस जाओ।

- उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं।

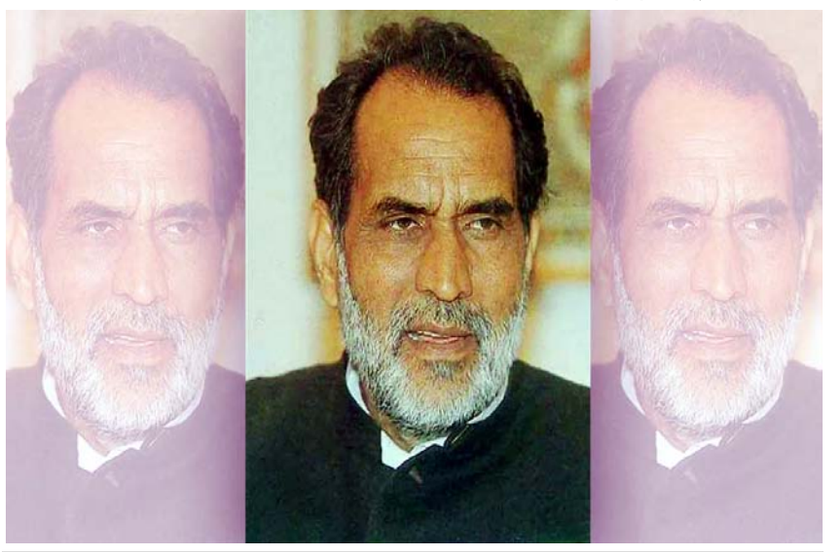

रामलीला मैदान की उस सभा में बैठने का इंतजाम नहीं था। ज्यादातर लोग खड़े ही थे। चंद्रशेखर मंच पर पहुंचे..भिंडरवाला वापस जाओ के नारे से हुए स्वागत से उन्हें भरोसा हो गया था कि स्वर्णमंदिर में हुई सैनिक कार्रवाई के चलते लोगों में उन्हें लेकर गुस्सा है।

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : द्वादशी | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शुभता के प्रतीक बने रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी होगी। व्यापार बहुत अच्छा होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता मन को पेशान करेगी। यद्यपि की शुभ कार्यों में धन खर्च होगा। लेकिन खर्च की स्थिति कर्ज की स्थिति ला सकती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा का संयोग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि वालों को चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। बचकर पार करें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु भी मित्र बनने की कोशिश करेंगे। आपके सामने नरमस्तक होंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर, प्रेम-संतान बहुत अच्छा और व्यापार भी बहुत अच्छा है।

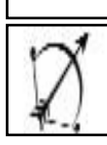

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है और व्यापार बहुत अच्छा है। लाल वस्तु पास रखें।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
घरेलू सुख बढ़-चढ़कर बढ़ेगा। घर में कुछ उत्सव संभव है। मां के स्वास्थ्य में सुधार होगा। भूमि और वाहन की खरीदारी होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोई नए कार्य की शुरुआत हो सकती है। अपनों का साथ होगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य में बहुत सुधार होने की गुंजाइश है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा,व्यापार बहुत अच्छा, धन का आगमन दिख रहा है

महिलाओं को आरक्षण की जरूरत नहीं वह क्षमतावान हैं : भसीन

अमिताशा के 24वें वार्षिकोत्सव समारोह ''सपनों की उड़ान'' का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। अमिताशा फांउडेशन के 24वें वार्षिकोत्सव समारोह ''सपनों की उड़ान'' का आयोजन एमिटी विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस समारोह

का शुभारंभ भसीन एंड कंपनी के एमडी डा ललित भसीन, एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार चौहान, भारत मे स्लोवेनिया की राजदूत महामहिम मजेता वोडेब घोष, एमिटी विद्यालय समूह और अमिताशा की चेयरपरसन डा अमिता चौहान द्वारा किया गया। अमिताशा फांउडेशन हजारों बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने उन्हें सशक्त बना रहा है।

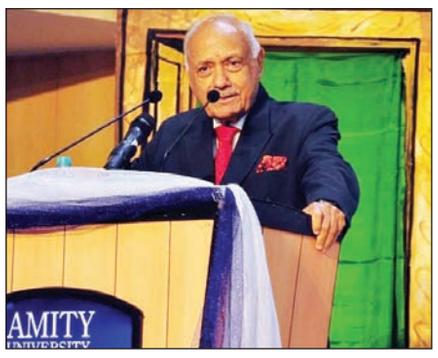

समारोह का शुभारंभ करते हुए भसीन एंड कंपनी के एमडी डा ललित भसीन ने कहा कि अमिताशा की छात्राओं की प्रस्तुती देखना एक अतुलनीय अनुभव रहा। विद्यालय से ग्रहण की गई बुनियादी शिक्षा आपकी नींव मजबूत करती है जो हमारे अदंर आत्मविश्वास को विकसित करते हुए हमारी उन्नती का मार्ग प्रशस्त करती है। महिलाओ या बालिकाओं की जिम्मेदारी हमसे अधिक होती है वे व्यवसायिक जीवन में साथ घर में निजी जीवन के संतुलन को बनाती है और दोनो क्षेत्रों में पुरूषों से बेहतर प्रदर्शन करती है। महिलाये देश के विकास में अहम भागीदारी निभा रही है और उन्हे किसी भी आरक्षण की आवश्यकता नहीं है।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि

आप सब गणमान्य अतिथियों की उपस्थिती से हमारी अमिताशा की छात्राओं सहित हम सभी को और बेहतरीन कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होती है। हम अमिताशा की छात्राओं का शिक्षा के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अवसर प्रदान करते है जिससे वे अपनी रूचि के अनुसार अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर रही है। डा चौहान ने कहा कि अमिताशा की जो भी छात्रायें सैन्य सेवाओं की प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए तैयारी करना चाहेगी उसे हर सहायता प्रदान की जायेगी।

भारत मे स्लोवेनिया की राजदूत महामहिम मजेता वोडेब घोष ने कहा कि जनसंख्या और भौगोलिक क्षेत्र में

अलग अलग होने के वावजूद अतिथि सेवा और महिला सशक्तीकरण जैसे कई क्षेत्रों में भारत और स्लोवेनिया एक जैसे है। हमारे यहां भी एमिटी की तरह महिला सशक्तीकरण पर विशेष बल दिया जाता है।

एमिटी विद्यालय समूह और अमिताशा की चेयरपरसन डा अमिता चौहान ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमारा उददेश्य अमिताशा के माध्यम से छात्राओं को शिक्षित कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाना है, यह शिक्षा छात्राओं की समाजिक और व्यक्तिगत विकास की आधारशिला है।

इस अवसर पर अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने वाली विभिन्न छात्राओं सहित बेहतरीन कार्य करने वाली शिक्षिकाओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अमिताशा की छात्राओं द्वारा देश के विभिन्न महिलाओं जैसे श्रीमती सावित्री बाई फुले, आनंदीबाई जोशी आदि पर नृत्य एंव नाटिका की प्रस्तुती दी गई।

इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डा असीम चौहान, रितनंद बलवेद एजुकेशन फाउडेशन के ट्रस्टी आनंद चौहान और अजय चौहान, एमिटी ह्यूमिनिटी फांउडेशन की चेयरपरसन श्रीमती पूजा चौहान, एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आटर्स और एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की चेयरपरसन श्रीमती दिव्या चौहान, एमिऑन की चेयरपरसन सुश्री सपना चौहान, एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजित चौहान, एमिटी ऑनलाइन के उपाध्यक्ष अभय चौहान, एमिटी कैपिटल वेंचर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमोल चौहान, श्रीमती महताब चौहान आदि लोग उपस्थित थे।

बाराही मेला में महिला पहलवानों ने दंगल में दिखाया दमखम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में चल रहे ऐतिहासिक बाराही मेला के अंतिम दिन स्व0 जयपाल भगत स्मृति में कई इनामी कुश्तियों में पहलवानों ने जोर आजमाईश की। 101 रूपये से लेकर 31000 रूपये तक की कई इनामी कुश्तियां हुईं। महिला पहलवानों ने भी दंगल में अपना दमखम दिखाया।

इनमें 101 रूपये की कुश्ती कार्तिक जेवर ने गोविंद से और फाईटर सिकंद्राबाद ने सागर असौला से जीती। 501 रूपये की कुश्तियां बल्लू जमालपुर गुरू हनुमान अखाडा ने तुषार श्यामलाल अखाडा से, साहिल ने मूले और अयान ने प्रिंस को चित करके जीत ली। जबकि 1100 रूपये की कुश्ती में हर्ष नलगढा ने अवधेश असौला को पराजित कर दिया।

महिला पहलवानों में अनुष्का पंडित सिकंद्राबाद ने 1100 रूपये की कुश्ती प्राची गाजियाबाद को चित कर ली। वहीं 3100 रूपये की कुश्ती महक दिल्ली और खुशी सूरजपुर के बीच बराबरी पर छूटी।

दंगल कार्यक्रम में 101 रूपये, 251 रूपये, 501 रूपये, 1100 रूपये, 2100 रूपये और 5100 रूपये की भी कई कुश्तियां हुईं। पूर्व की भांति इस बार भी दंगल कार्यक्रम में मुगदड भी साधी गईं। खोदना गांव से आए शिवम शर्मा ने 75 किग्रा की मुगदड उठाई। धर्मी शर्मा ने 80 किग्रा, पवन दादूपुर ने 90 किग्रा और अंकित बागपुर ने 90 किग्रा की मुगदड उठाई। संदीप भडाना ने 70 किग्रा की मुगदड उठाई।

शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैंसला, स्व0 जयपाल भगत के पुत्रों में सतवीर भाटी, राजवीर भगत, भोपाल ठेकेदार, मूलचंद शर्मा, धर्मवीर भाटी, योगेश अग्रवाल, विनोद खलीफा, लक्ष्मण सिंघल,अनिल भाटी आदि पदाधिकारियों ने जीतने वाले पहलवानों को पुरस्कृत किया।

इस मौके पर रवि भाटी, गौरव नागर, रूपेश चौधरी, विनोद पंडित तेल वाले, विनोद भीम खारी, जगदीश भाटी एडवोकेट, लीलू भगतजी, राजवीर शर्मा, अनिल कपसिया, राजकुमार नागर, सतपाल शर्मा एडवोकेट, हरि शर्मा, महाराज सिंह उर्फ पप्पू, राजवीर शर्मा, राजपाल भडाना, सुभाष शर्मा जिंस वाले आदि मेला समिति पदाधिकारी और कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

छोटी-छोटी सावधानी बड़ी दुर्घटनाओं से बचाव

नोएडा (चेतना मंच)। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के आयोजन

के तहत नोएडा के स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान बस ट्रक टैक्सी वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि यातायात नियम लोगों के सड़क पर सुरक्षा के लिए बनाये गये हैं।

निर्धारित गति और निर्धारित लेन पर चलकर, निर्धारित सीट क्षमता पर लोगों को बैठकर, हैलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग कर, वाहन चलते समय मोबाइल और नशे से दूरी बनाकर हम सड़क पर अपने को और दूसरों को सुरक्षित बना सकते हैं। छोटी छोटी सावधानी अपनाकर बड़ी बड़ी दुर्घटनाएं टाली जा सकती हैं।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस

बीमारी से बचने का पहला उपाय, हाथ धोने की आदत

नोएडा (चेतना मंच)। हर साल 5 मई को दुनिया भर में विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। कीटाणुओं को फैलने से रोकने में हाथों

डॉ. रश्मि गुप्ता

का साफ होना जरूरी है। संक्रमण से बचने के लिए हाथ की स्वच्छता बहुत जरूरी होती है। हाथों को साबुन और पानी से 20 सेकेंड तक धोने से कई बीमारियां दूर रहती है।

फेलिक्स अस्पताल की डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाने का मकसद बीमारियों और संक्रमणों के प्रसार को रोकने में हाथ की स्वच्छता को बढ़ाना देना है। साबुन और पानी से उचित तरीके से हाथ धोना कई स्वास्थ्य संभावित बीमारियों को रोकता है। प्रत्येक वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन जीवन बचाएं,

अपने हाथ साफ करें अभियान को बढ़ावा देता है। 2009 में शुरू अभियान का उद्देश्य विश्व स्तर पर हाथ की स्वच्छता को बताना है। नियमित रूप से अपने हाथ धोने से कोविड के साथ सर्दी और फ्लू जैसे संक्रमण होने का खतरा कम हो सकता है। आंखों के संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है। नियमित रूप से हाथ धोने से उन कीटाणुओं और जीवाणुओं को दूर करने में मदद मिलती है, जो दस्त और आंतों की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जानवरों को संभालने या फिर कचरा फेंकने के बाद भी हाथ को साफ करना चाहिए। हमारे हाथों में न जाने कितनी अनदेखी गंदगी छिपी होती हैं। बिना हाथ धोएं खाना खाने से गंदगी शरीर में प्रवेश होती। कोरोना संक्रमण के बाद भले ही हाथ धोने के मायने का पता चला है लेकिन अब भी कई लोग हाथ नहीं धोते हैं।

डा. रश्मि ने बताया कि हैजा, डायरिया, कुपोषण, पेट में कीड़े, निमोनिया और कोविड जैसी कई बीमारियों से हाथ धोकर बचा जा सकता है। बच्चों को भोजन से पहले और शौचालय के बाद साबुन और साफ पानी से हाथ धोने क्यों जरूरी है यह बताएं। अगर आप खांसने या छींकने के बाद हाथ धोने की आदत को फॉलो नहीं करते, तोदूसरों में इन्फेक्शन फैलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

ठीक से हाथों को धोने का तरीका

- हाथों को साफ बहते पानी से गीला करें लें।
- नल बंद कर दें और साबुन ठीक से लगा लें।
- साबुन को हाथों और कलाइयों तक लगाएं।
- साबुन को उंगलियों और नाखूनों तक लगाएं।
- 20 सेकेंड तक साबुन लगाने वाली जगह को रगड़ें।
- फिर दोबारा से नल को खोलें और अपने हाथ को धोएं।
- पानी से हाथ धोने के बाद हाथ को साफ तौलिए से सुखाएं।

हाथ कब धोना है

- कूड़ा फेंकने के बाद
- भोजन करने से पहले और बाद में
- शौचालय का उपयोग करने के बाद
- खांसने, छींकने या नाक बहने के बाद
- पशु चारा या पशु अपशिष्ट उठाने के बाद
- डायपर बदलना या बच्चे को संभालने के बाद
- खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों का सेवन करने के बाद
- कोई दवा लेना या किसी घाव का इलाज करने के बाद
- बीमार से मिलने या उसकी देखभाल करने के बाद

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

खास खबर

2050 तक आबादी में 20 प्रतिशत होंगे बुजुर्ग इसलिए समय की मांग है वयस्कों का टीकाकरण: डॉ. अग्रवाल

इंदौर, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत में 2036 तक 50 साल से ऊपर के लोगों की संख्या 2020 के 26 करोड़ से बढ़कर 40.4 करोड़ होने की उम्मीद है। 2050 तक हर पांच में से एक व्यक्ति 50 वर्ष से अधिक उम्र का होगा। ऐसे में भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ती उम्र की इस आबादी की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। बढ़ती उम्र के साथ आने वाली प्रमुख चुनौतियों में निमोनिया, इन्फ्लूएंजा और शिंगल्स जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता है। अग्रवाल नर्सिंग होम, इंदौर के कंसल्टेंट पल्मनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर डॉ. अनिल अग्रवाल ने वयस्कों के टीकाकरण के व्यापक महत्व पर कहा वयस्कों का टीकाकरण व्यक्तिगत स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित अनिवार्यता है। देश में उम्रदराज आबादी बढ़ रही है। ऐसे में वयस्कों के टीकाकरण को प्राथमिकता देना जरूरी है, ताकि बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य सही रहे और हमारी उम्रदराज आबादी की उत्पादकता एवं स्वतंत्रता बनाई रखी जा सके। उम्रदराज आबादी का स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए जांच एवं टीकाकरण को नियमित स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। ये संक्रमण बुजुर्गों पर व्यापक शारीरिक, मानसिक और आर्थिक दुष्प्रभाव डाल सकते हैं। शिंगल्स मूलतः पुराने चिकनपॉक्स वायरस की पुनः सक्रियता से होने वाला दर्दनाक संक्रमण है। यह संक्रमण 'पोस्टहेरपेटिक न्यूराल्जिया' नाम की एक दर्दनाक जटिलता का कारण भी बन सकता है। ये संक्रमण न केवल जीवन की गुणवत्ता पर दुष्प्रभाव डालते हैं, बल्कि इनसे भारत के हेल्थकेयर सिस्टम पर भी बोझ पड़ता है। हृदय रोग, सांस की बीमारी और डायबिटीज जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित उम्रदराज वयस्क संक्रामक रोगों के प्रति और भी अधिक संवेदनशील होते हैं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

रिपोर्ट में दावा-

गर्मी में एसी की अधिक मांग

पांच फीसदी तक बढ़े दाम-कंपनियों के सामने आपूर्ति की समस्या

नई दिल्ली, एजेंसी। तापमान बढ़ने के कारण देशभर में एयर कंडीशनर (एसी) की मांग बढ़ गई है। खासकर उत्तर और मध्य भारत में। बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माता कंपनियों ने एसी के दाम पांच फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। आनंद राठी फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अप्रैल के बाद मई और जून में भी देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। इससे जून मध्य तक एसी की मांग मजबूत बनी रहेगी। लेकिन, आपूर्ति के मोर्चे पर एसी निर्माता कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती मांग और कम आपूर्ति को देखते हुए कई राज्यों में निर्माता कंपनियों ने एसी के दाम बढ़ा दिए हैं। ब्लू स्टार ने अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में तीन-पांच फीसदी की बढ़ोतरी की है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में अप्रैल में औसत न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस था। यह 1901 के बाद से सबसे अधिक है।

यूपी-हरियाणा में 25 फीसदी तक बढ़ी मांग- मध्य भारत में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संख्या के लिहाज से एसी की मांग 15-20 फीसदी बढ़ गई है। उत्तर भारत में राजस्थान और हरियाणा में होली के बाद से ही एसी की मांग में उछाल देखने को मिल रहा है। इन दोनों राज्यों में मांग में 20-25 फीसदी तक तेजी दर्ज की गई है। स्थानीय डीलरों ने मई में मांग 25-30 फीसदी और बढ़ने की उम्मीद जताई है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु में एसी की मांग 40-50 फीसदी तक बढ़ी है। कर्नाटक और तेलंगाना में 15-20 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पूर्वी भारत में ओडिशा में मांग 25-30 व झारखंड में 10-15 फीसदी बढ़ी है। गुजरात और महाराष्ट्र समेत पश्चिमी भारत में अप्रैल मध्य के बाद से ही एसी की मांग बढ़ गई है। इन राज्यों में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई?है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के स्थानीय डीलरों का कहना है कि लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण एसी की मांग में वृद्धि की तुलना में निर्माता कंपनियों की ओर से आपूर्ति कम हो रही है। इससे एसी की डिलीवरी में लगने वाला समय बढ़ गया है।

कम आपूर्ति से बढ़ा डिलीवरी का समय- ओडिशा और झारखंड में पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से स्थानीय डीलर समय पर डिलीवरी नहीं कर पा रहे हैं। गुजरात में विभिन्न कंपनियों ने एसी की कीमतों में 3-5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर दी है।

एआईएमए ने पेश किया एमएटी 2.0

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन भारत में मैनेजमेंट के लिए सर्वोच्च संगठन है। यह संगठन भारत में मैनेजमेंट स्किल और क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग, सरकार, शिक्षा जगत और छात्रों के साथ मिलकर काम करता है ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन, मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट, एमबीए और पीजीडीएम प्रोग्राम में राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है जो भारत भर के 600 से ज्यादा प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों में एडमिशन के लिए अवसर प्रदान करती है । मई 2024 से एआईएमए एमएटी 2.0 की शुरुआत कर रहा है। एमएटी 2.0, एमएटी का एक विकसित संस्करण है, यह वर्तमान बिजनेस और इकोनॉमिक ट्रेंड जैसे नए सेगमेंट्स को कवर करता है। एमएटी 2.0 एक नए जमाने की प्रवेश परीक्षा है जो समकालीन इंडस्ट्री प्रैक्टिस और बढ़ती शैक्षिक आवश्यकताओं से मेल खाते हुए मैनेजमेंट एजुकेशन पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करती है।एमएटी 2.0 में किए गए बदलावों में एग्जाम स्ट्रक्चर, विषय-वस्तु पर ध्यान और अवधि सहित विभिन्न पहलू शामिल हैं।

उल्लेखनीय बदलावों में एक सुव्यवस्थित परीक्षा संरचना शामिल है जिसमें 120 मिनट के भीतर 150 प्रश्नों को हल करना होता है, जिससे कैंडीडेट को ज्यादा केंद्रित और कुशल परीक्षा अनुभव मिलता है। एमएटी परीक्षा पेपर आधारित टेस्ट, कंप्यूटर आधारित टेस्ट और इंटरनेट आधारित टेस्ट में आयोजित की जाती है। एमएटी कैंडिडेट को उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप सबसे उपयुक्त परीक्षा मोड चुनने में सुविधा प्रदान करता है। भोपाल के लिए एमएटी 2024 का शेड्यूल: एमएटी मई 2024 के लिए उम्मीदवारों का पंजीकरण जारी है। एमएटी भोपाल में कंप्यूटर-आधारित परीक्षण और पेपर-आधारित परीक्षण मोड में आयोजित होने वाला है। पीबीटी के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 28 मई, 2024 है और परीक्षा 2 जून, 2024 को निर्धारित है। सीबीटी के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 19 मई, 2024 है और परीक्षा 26 मई, 2024 को निर्धारित है। दोनों पीबीटी और सीबीटी परीक्षा रविवार को होगी।

टाइटन ने किया सेरेमिक फ्यूज़न ऑटोमेटिक वॉचेज़ के नए कलेक्शन का अनावरण

बैंगलुरू एजेंसी। टाइटन पेश करते हैं अपनी सेरेमिक फ्यूज़न ऑटोमेटिक कलेक्शन में नई घड़ियां, जो इनोवेशन और सहजता का संयोजन हैं। इस साल ऑटोमेटिक्स पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पेश किया गया यह कलेक्शन अपने आप में बड़ी उपलब्धि है क्योंकि ब्राण्ड अपनी दो विशेषज्ञताओं- सेरेमिक बिल्ड और इन-हाउस ऑटोमेटिक मुवमेन्ट- के संयोजन के साथ नए और बेहतरीन डिज़ाइन की घड़ियां लेकर आया है। यह कलेक्शन न सिर्फ कारीगरी के प्रति टाइटन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है बल्कि इन-हाउस ऑटोमेटिक क्षमता के साथ सेरेमिक फ्यूज़न के संयोजन को भी पेश करता है। सेरेमिक फ्यूज़न ऑटोमेटिक वॉच कलेक्शन में कई बेहतरीन फीचर्स हैं जेसे ये घड़ियां टिकाऊ, स्क्रैच रेज़िस्टेन्स, लाईटवेट फील, हाइपोएलर्जेनिक विशेषताओं, कई कलर्स और प्रॉपराइटरी ऑटोमेटिक मुवमेन्ट के साथ आती हैं।

22 ज्वैल्स के साथ इन-हाउस 7ए20-एस मुवमेन्ट से युक्त इस कैलिबर को10 सैकण्ड से लेकर 30 सैकण्ड प्रतिदिन की सटीकता और सशक्त 36-घण्टे के पावर रिज़र्व के साथ डिज़ाइन किया गया है। इसका स्केलेटल डायल फेस बड़ी ही भव्यता के साथ ऑटोमेटिक मुवमेन्ट को दर्शाता है, वहीं ड्यूल-टोन सोलिड लिंक स्टेनलैस स्टील और सेरेमिक ब्रेसलेट इसके लुक को शानदार बनाते हैं। डोम्ड क्रिस्टल और कॉन्केव एवं स्क्वेयर डायल के साथ इस कलेक्शन में आधुनिक और बहुमुखी घड़ियां शामिल हैं, जो ऑटोमेटिक मास्टरी एवं सेरेमिक आकर्षण के साथ परफेक्ट लुक देती हैं, फिर चाहे दिन हो या रात।

समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही है भारत की राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के द्वारा कौशल विकास की पहुँच में एक उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई दे रहा है। अगस्त 2016 में शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी पहल, एक गेम-चेंजर के रूप में उभर कर सामने आई है। यह युवाओं की बेरोज़गारी और अल्परोज़गार के गंभीर मुद्दों की बात करते हुए, औपचारिक शिक्षा और उद्योग की मांगों के बीच गैप को कम कर रही है।

पिछले कुछ वर्षों में अप्रेन्टिसों के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में, नामांकित अप्रेन्टिसों की कुल संख्या 35,333 थी। हालाँकि, चालू वित्तीय वर्ष, 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 931,406 हो गया है। यह आश्चर्यजनक वृद्धि बताती है कि पांच साल की अवधि में महत्वपूर्ण चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर)74.76 प्रतिशत रही है।

पिछले वित्तीय वर्ष, 2022-23 की तुलना में, चालू वर्ष के नामांकन में साल-दर-साल 26.08 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में पंजीकृत अप्रेन्टिसों की कुल संख्या 738,704 थी, जबकि चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 931,406 तक पहुंच गया है।

यह उछाल जिन राज्यों में आया है उनमें महाराष्ट्र (263,239), तमिलनाडु (101,519), गुजरात (83,611), कर्नाटक (78,497), और उत्तर प्रदेश (71,378) जैसे राज्य अग्रणी हैं। ये राज्य पूरे देश में इस योजना के व्यापक प्रभाव को दर्शाते हैं।

एनएपीएस पहल पारस्परिक रूप से एक लाभकारी कार्यक्रम साबित हुई है। इसने एक ओर व्यवसायों के भीतर विकास और इनोवेशन को बढ़ावा दिया है, तो दूसरी ओर महत्वाकांक्षी प्रोफेशनल्स के लिए ऑन-द-जॉब प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और अनेक अवसर दिए हैं। यह आपसी संबंध, समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है, विविध पृष्ठभूमि के लोगों को सशक्त बना रहा है और सभी सेक्टरों में व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा दे रहा है।

एनएपीएस की परिवर्तनकारी ताकत को इसके लाभार्थियों की प्रेरक कहानियों के माध्यम से सबसे अच्छे उदाहरण के रूप में समझा जा सकता है। मध्य प्रदेश के सतना की एक गृहिणी, रंजना ने लैब-टेक्नोलॉजी में अप्रेन्टिसशिप शुरू की। रंजना को न केवल अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग के बाद रोजगार मिला, बल्कि वह अपने परिवार के लिए कमाने वाली मुख्य सदस्य भी बन गई। रंजना ने पारंपरिक जेन्डर रोल को चुनौती देते हुए अपनी वित्तीय आज़ादी का रास्ता खुद बनाया।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश की एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले विशाल ने अप्रेन्टिसशिप के एक अवसर का लाभ उठाया। आर्थिक बाधाओं के बावजूद, असेंबली लाइन ऑपरेटर के रूप में विशाल के समर्पण और नई विशेषज्ञता ने उन्हें गरीबी के चक्र को तोड़ने में मदद की और वह एक नौकरी पाने और अपने परिवार का आगे बढ़ाने में सक्षम हुए।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से लेकर औरंगाबाद स्थित ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग कंपनी में ऑटोमोटिव सीएनसी मशीनिंग टेकनीशियन बनने तक शिवम की यात्रा एनएपीएस के परिवर्तनकारी प्रभाव का एक और प्रमाण है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना करते हुए।

वर्किंग प्रोफेशनल वेब के माध्यम से आईआईटी मद्रास से ई-मोबिलिटी में एम.टेक. कर पाएंगे

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए वेब के माध्यम से ई-मोबिलिटी में एम.टेक. (डब्ल्यूईएमईएम) शुरू करने जा रहा है । यह कोर्स पूरी तरह इस उद्योग के अनुरूप है।कोर्स की सामग्री इस उद्योग के प्रोफेशनलों के लिए पूरी तरह प्रासंगिक है, जो इसकी विशिष्टता है।

एमटेक प्रोग्राम की परिकल्पना शिक्षा और उद्योग जगत के विशेषज्ञों की सूझबूझ से की गई थी और इसे उद्योग की जरूरतों के अनुसार लगातार बेहतर बनाया जाएगा।

प्रोग्राम की अहमियत बताते हुए आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने कहा, ''आईआईटी मद्रास कई सर्टिफिकेशन प्रोग्रामों के माध्यम से ई-मोबिलिटी सेक्टर में वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए कौशल बढ़ाने के प्रोग्राम शुरू करने में सबसे आगे रहा है । ऐसे प्रोग्रामों के प्रतिभागी और ऑटोमोटिव उद्योग भी एम.टेक. प्रोग्राम शुरू करने की मांग करते रहे हैं, जो स्वाभाविक है।इसलिए हमें डब्ल्यूईएमईएम शुरू करने की खुशी है और यह विश्वास है कि यह प्रोग्राम इस क्षेत्र में हमारे मिशन को आगे बढ़ाएगा, जो राष्ट्र के मानव संसाधन का तेजी से विकास करना है।''

यह डिग्री प्रोग्राम आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (सीओडीई) के माध्यम से शुरू किया जा रहा है । इसमें आईआईटी मद्रास से एम.टेक. डिग्री के लिए जरूरी कड़ी मेहनत पर जोर देने के साथ-साथ कोर्स को व्यावहारिक ज्ञान देने योग्य बनाने का ध्यान रखा गया है।डब्ल्यूईएमईएम का

समन्वयन आईआईटी मद्रास का इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग कर रहा है।

इसी सिलसिले में प्रोफेसर प्रताप हरिदोस, डीन, शैक्षिक पाठ्यक्रम, आईआईटी मद्रास ने कहा, ''डब्ल्यूईएमईएम की संरचना में यह ध्यान रखा गया है कि आईआईटी मद्रास से एम.टेक. डिग्री के लिए आवश्यक क्रेडिट प्राप्त हो।इसमें कोर और इलैक्टिव थियरी के कोर्स, लैब और प्रोजेक्ट होंगे ।

प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताते हुए आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (सीओडीई) के अध्यक्ष प्रो. देवेंद्र जलिहाल ने कहा, ''आईआईटी मद्रास कैंपस से बाहर के सभी ऐकेडेमिक और आउटरीच प्रोग्रामों के लिए सीओडीई एक नोडल कार्यालय रहा है ।

प्रोफेसर एंड्रयू थंगराज, एसोसिएट चेयर, सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (सीओडीई), आईआईटी मद्रास ने कहा, ''सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान में सही ताल मेल के लिए हमने उद्योग जगत के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया है जो कुछ कोर्स पढ़ाएंगे।प्रत्येक कोर्स के लिए नियमित असाइनमेंट देने के साथ-साथ परीक्षाएँ भी होंगी।इस तरह हम एक ठोस शिक्षा पद्धति पर काम करेंगे।''

प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी देते हुए आईआईटी मद्रास के इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सी.एस. शंकरराम ने कहा, ''यह विभाग ई-मोबिलिटी में आईआईटी मद्रास के विभिन्न प्रयासों के लिए नोडल विभाग बनकर उभरा है ।

तनिष्क की आधुनिक आभूषणों की शानदार पेशकश ग्लैमडेज़

रोज़ाना पहनने के आधुनिक आभूषणों की रेन्ज मेक एवरीडे स्पाकरकल के लिए बनाए गए आभूषण

मुंबई, एजेंसी। अक्षय तृतीया का पवित्र पर्व नज़दीक आ रहा है। इस अवसर पर भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का हिस्सा, तनिष्क ने प्रस्तुत की है रोज़ाना पहनने के आधुनिक आभूषणों की शानदार और बहु उपयोगी रेन्ज - ग्लैमडेज़, जिसे दुनिया भर के डिज़ाइन्स से प्रेरित होकर बनाया गया है। शान और आधुनिक फैशन की खूबसूरती को साथ मिलाकर बनाए गए ग्लैमडेज़ के आभूषण आपकी रोज़ाना स्टाइल को और भी बढ़ाएंगे और हर महिला के वार्डरोब में एक बहुमूल्य एडिशन बनेंगे। इसमें 10000 से ज़्यादा अनोखे डिज़ाइन्स को शामिल किया गया है।

वैश्विक स्तर के कई अलग-अलग डिज़ाइन्स से प्रेरित होकर बनाए गए ग्लैमडेज़ में हर दिन की सुंदरता को रोज़ाना पहनने के स्टाइलिश फिर भी बहु उपयोगी आभूषणों के साथ परिभाषित किया गया है। हर दिन सुबह से लेकर रात तक आप इन आभूषणों को बहुत ही आसानी से पहन सकती हो। नाज़ुक खूबसूरती को दर्शाते हुए फ्लोरल पेंडंट, बोल्ड फिर भी रिफाइंड गोल्ड हूप्स, हर दौर में सभी की पसंद इन्फिनिटी रिंग्स या

खूबसूरत गोल्ड ब्रेसलेट हो, ग्लैमडेज़ में सोने और हीरों से बने रोज़ाना पहनने के आभूषणों की आधुनिक रेन्ज शामिल है। दिन भर के सोफिस्टिकेशन को शाम के ग्लैमर में बहुत ही आसानी से बदलने का जादू इन आभूषणों में है। हर दिन एक नया, खूबसूरत लूक बनाया जा सकें इसके लिए कई अलग-अलग स्टाइल्स को इसमें शामिल किया गया है। अपने उपभोक्ताओं की खुशियों को और भी सुनहरा करने के लिए तनिष्क ने सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और डायमंड ज्वेलरी के मूल्य पर 20 प्रतिशत तक की छूट दी है। साथ ही तनिष्क में गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम का भी लाभ उठाया जा सकता है, जिसमें भारत के किसी भी ज्वेलर से ख़रीदे हुए पुराने सोने पर 100 प्रतिशत एक्सचेंज मूल्य दिया जाता है। सोने की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है, अपने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए तनिष्क ने गोल्ड रेट प्रोटेक्शन प्रस्तुत किया है, जिसमें उपभोक्ता एडवांस में बुक करके, सोने की कीमतों में हो रही वृद्धि से बच सकते हैं। इन ऑफर्स का लाभ सिर्फ सीमित अवधि तक ही उठाया जा सकता है। इस रेन्ज का हर एक आभूषण आज की महिलाओं की भागदौड़ से भरी, व्यस्त जीवनशैली के अनुरूप बहुत ही सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है। आभूषणों की इस विशाल रेन्ज को 18 और 22 कैरेट सोने में बनाया गया है। दुनिया भर के डिज़ाइन्स से ली गयी प्रेरणा और अनोखे टेक्निक्स का इस्तेमाल करके बनाए गए ग्लैमडेज़ के आभूषण रोज़ाना के लूक के लिए बेहतरीन और बहु उपयोगी साथी बनेंगे। पॉलिश्ड प्रोफेशनल लूक, परिवार के साथ डिनर या घर पर ही बितायी जाने वाली छुट्टी हो, आप इन आभूषणों के साथ अपना रोज़ाना स्टाइल बहुत ही आसानी से बना सकती हैं। आपके आभूषण आपकी स्वयं-अभिव्यक्ति का ज़रिया बन सकें और उनसे आपका आत्मविश्वास बढ़ सकें यह तनिष्क की प्रतिबद्धता ग्लैमडेज़ में सुस्पष्ट रूप से दिखती है। नेकलेस, इयररिंग्स, ब्रेसलेट्स, रिंग्स ऐसे कई तरह के आभूषण ग्लैमडेज़ में शामिल किए गए हैं, इनके साथ आप अपना पर्सनलाइज्ड लूक बना सकती हैं जो आपकी अपनी पसंद और रोज़ाना की स्टाइलिंग के अनुरूप होगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार उत्पादों के आयात में चीन, हांगकांग की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल उत्पादों का आयात 2023-24 में बढ़कर 89.8 अरब डॉलर हो गया जिनमें से आधे से अधिक आयात चीन और हांगकांग से होता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने इस रिपोर्ट में कहा है कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र के कुल आयात में सर्वाधिक 43.9 प्रतिशत हिस्सेदारी चीन की है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन और हांगकांग पर इन उत्पादों के मामले में गहरी निर्भरता दिखती है और यह पिछले कुछ साल में नाटकीय रूप से बढ़ी है। इसके मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार आयात के मामले में चीन और हांगकांग पर निर्भरता को कम करना जरूरी है। यह न केवल आर्थिक लचीलापन बढ़ाने के लिए बल्कि तेजी से परस्पर जुड़ती जा रही दुनिया में भारत की डिजिटल और तकनीकी संप्रभुता की रक्षा के लिए भी जरूरी है।

रिपोर्ट कहती है, ये क्षेत्र लाखों लोगों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। हालांकि चीन से आयात पर भारत की अत्यधिक निर्भरता देश की रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि चीन पर अधिक निर्भरता भारत की आपूर्ति श्रृंखला के भीतर गंभीर खामियां उजागर करती है और स्रोतों के रणनीतिक विविधीकरण और घरेलू उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने की तत्काल जरूरत को दर्शाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंप्यूटर से लेकर स्मार्टफोन

तक तमाम इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 'इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) का आयात 2020-2022 में बढ़कर 4.2 अरब डॉलर हो गया है जो 2007-2010 के दौरान 16.61 करोड़ डॉलर ही था। इसी तरह, फोन और अन्य वायरलेस उपकरणों सहित संचार उपकरणों के आयात में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह बढ़कर 3.69 अरब डॉलर हो गया है और आधे से अधिक बाजार पर अब चीन का दबदबा है।

अश्विन को डर, यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है

नई दिल्ली। दुनिया के प्रमुख ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को कहा कि आधुनिक समय में बल्लेबाजी का इस तरह से विकास हो रहा है कि अविश्वसनीय पावर-हिटिंग धीरे-धीरे क्रिकेट स्टेडियमों के आकार को अप्रासंगिक बना रही है और

उन्हें डर है कि यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है। अश्विन की टिप्पणी इस साल के आईपीएल में टीमों द्वारा बनाए जा रहे बड़े स्कोर के संदर्भ में आई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने मौजूदा सत्र में दो बार इस लीग का सबसे बड़े स्कोर (277 और 287) का रिकॉर्ड बनाया। इंपैक्ट प्लेयर नियम के आने के बाद मौजूदा आईपीएल सत्र में टीमों ने कई बार 250 रन के आंकड़े को पार किया। अश्विन ने कहा, 'कुछ समय पहले बनाए गए स्टेडियम आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं। उस समय जो बल्ले इस्तेमाल किए जाते थे, उनका इस्तेमाल अब गली क्रिकेट में नहीं होता है। प्रायोजकों के एलईडी बोर्डों के इस्तेमाल के कारण बाउंड्री पहले ही 10 गज कम हो गई है।'

'इंपैक्ट प्लेयर' नहीं होने से कप्तानों को रणनीतिक रूप सोचना पड़ेगा : स्टार्क

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले महीने अमेरिका में टी-20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की आजादी होती है। इसे पिछले साल लागू किया गया था। जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर कर रही हैं। मुंबई इंडियंस को आईपीएल टी-20 मैच में शुक्रवार को 24 रन से हराने के बाद केकेआर के इस गेंदबाज ने कहा, 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं।

कोलकाता बनाम मुंबई मैच के दौरान टॉस में गड़बड़ी, फिक्सिंग के लगे आरोप

नई दिल्ली। हार्दिक पंड्या की मुंबई इंडियंस को शुक्रवार को आईपीएल 2024 सीजन की आठवीं हार का सामना करना पड़ा क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें वानखेड़े स्टेडियम में 24 रनों से हरा दिया। हालांकि मैच के दौरान जो हुआ उससे अधिक टॉस

के दौरान की एक घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और कुछ सोशल मीडिया यूजर्स फिक्सिंग का आरोप लगा रहे हैं। शुक्रवार को टॉस के दौरान हार्दिक पंड्या ने सिक्का उछाला जबकि कैमरामैन के परिणाम को अच्छी तरह से देखने से पहले मैच रेफरी पंकज धर्माने ने इसे उठा लिया। अंपायर द्वारा कप्तान हार्दिक पांड्या के पक्ष में फैसला सुनाए जाने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि टॉस में धांधली हुई होगी। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब आईपीएल 2024 में इस तरह का आरोप सामने आया है।

दमदार वापसी की तलाश में चेन्नई सुपर किंग्स

CSK की निगाहें PBKS के खिलाफ लगातार दूसरे मैच को जीतने पर

धर्मशाला। आईपीएल 2024 का 53वां मुकाबला पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए दोनों टीमें पूरी तरह से तैयार। इस सीरीज दोनों टीमों के बीच यह दूसरा मुकाबला है। इससे पहले चेन्नई में खेले गए मैच में पंजाब किंग्स ने बाजी मारी थी और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हरा दिया था। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ऐसे में दमदार वापसी की तलाश में होगी। सीएसके इस वक्त अंक तालिका में 5वें स्थान पर मौजूद है। वहीं टॉप 4 की रेस में मजबूती बनाने के लिए सीएसके को इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। एचपीसीए स्टेडियम, जिसे दुनिया के सबसे खूबसूरत क्रिकेट मैदानों में से एक माना जाता है, ने 2 टेस्ट, 9 वनडे मैच 10 टी-20 इंटरनेशनल और 11 इंडियन प्रीमियर लीग मैचों की मेजबानी की है। इस सीरीज यह धर्मशाला का पहला मैच है।

धर्मशाला पिच रिपोर्ट

एचपीसीए स्टेडियम की पिचों से तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है, लेकिन वाइट बॉल फॉर्मेट में पहली पारी में कुछ उच्च स्कोर वाले स्कोर देखे गए हैं, जिससे पीछा करने वाली टीम को अक्सर लक्ष्य का पीछा करने में कठिनाई होती है। आईपीएल 2023 सीजन के दौरान यहां कुल दो मुकाबले खेले गए थे। जहां हाई स्कोरिंग मैच खेले गए थे। यहां तक कि पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में भी हमें अच्छी बैटिंग विकेट देखने को मिलीं थी। इसलिए, उम्मीद है कि आईपीएल 2024 के दो मैचों के लिए इसी तरह की पिच होगी।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

चेन्नई सुपर किंग्स:
अजिंक्य रहाणे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेरिल मिचेल, मोइन अली, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे, रिचर्ड ग्लीसन, मथीसा पथिराणा।

पंजाब किंग्स:
जॉनी बेयरस्टो, सैम करन (कप्तान), रिले रोसौव, शशांक सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), आशुतोष शर्मा, हरप्रीत बरार, हर्षल पटेल, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह।

थके हुए और दबाव में हार्दिक पंड्या : फिंच

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच और ग्रीम स्मिथ का मानना है कि भारतीय उप कप्तान हार्दिक पंड्या थके हुए, हताश और दबाव में दिख रहे हैं तथा उनकी अगुआई में पांच बार की चैम्पियन का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस चरण में जूझना जारी है। शुक्रवार को वानखेडे स्टेडियम में पंड्या को फिर 'हूटिंग' का सामना करना पड़ा जो टीम के लिए निराशाजनक मुकाबला रहा, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 24 रन से शिकस्त दी। फिंच ने कहा, 'वह इस समय काफी निराश और थका हुआ दिख रहा है। ऐसा लग रहा है कि वह काफी दबाव महसूस कर रहा है। मुझे ऐसा लगता है। मैं खुद ऐसी स्थिति में रहा हूं जहां आप व्यक्तिगत रूप से कुछ भी कोशिश करो लेकिन यह कारगर होता हुआ नहीं दिखता।' उन्होंने कहा, 'जब टीम अच्छा नहीं कर रही होती तो ऐसी स्थिति में रहना बहुत मुश्किल होता है। बतौर कप्तान आप टीम के प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लेते हो और ऐसी जगह होना बहुत मुश्किल है। विशेषकर इस टूर्नामेंट में जिसमें यह बहुत क्रूर होता है।'

पंड्या की अगुआई में भ्रमित लग रही मुंबई इंडियंस : स्मिथ

दक्षिण अफ्रीका के महान कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा कि मुंबई इंडियंस पंड्या की अगुआई में भ्रमित लग रही है जिसमें काफी बदलाव किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हार्दिक वास्तव में जूझ रहे हैं, वह दबाव में दिख रहे हैं। बल्लेबाजी लाइन अप में भी वे भ्रमित दिख रहे हैं। तिलक वर्मा और नमन धीर मध्यक्रम में जूझ रहे हैं। धीर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा था और हार्दिक खुद को किसी भी जगह उतार रहे थे। उन्हें पूरे सत्र में तिलक को तीसरे, सूर्यकुमार यादव को चौथे और खुद को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करानी चाहिए थी। इसके बाद छठे नंबर पर डेविड, जिसके बाद आपकी गेंदबाजी इकाई।'

वाटसन ने भी पांड्या की आलोचना की

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान शेन वाटसन ने भी पंड्या की कप्तानी के फैसलों की आलोचना की और कहा कि मुंबई इंडियंस ने अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को नहीं उतारकर केकेआर को मैच में वापसी करने दी जबकि टीम ने 57 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे। उन्होंने कहा, 'नमन धीर को गेंदबाजी कराते रहना जबकि केकेआर का स्कोर पांच विकेट पर 57 रन था, यह बहुत बड़ी गलती थी। भले ही यह हार्दिक पांड्या का फैसला था या फिर बाहर से फैसले किये जा रहे थे।' उन्होंने कहा, 'उस समय तक जसप्रीत बुमराह ने केवल एक ओवर फेंका था इसलिये उन्हें वेंकटेश अय्यर और मनीष पांडे की साझेदारी तोड़ने की कोशिश करनी चाहिए थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने भागीदारी बढ़ाने दी।'

लगातार कम स्कोर वाली पारियों के दौरान सही लोगों के बीच में रहने की कोशिश कर रहा था : जायसवाल

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती चरण के दौरान जब वह खराब लय में थे तब उन्होंने प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया और ऐसे लोगों के बीच रहने पर ध्यान दिया जिन्होंने अतीत में उन्हें सही सलाह दी थी। आईपीएल के शुरुआती सात मैचों में सिर्फ 121 रन बनाने के बाद इस बात पर संदेह था कि क्या जायसवाल टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बना पाएंगे। उन्होंने हालांकि अगली तीन पारियों में 104, 24 और 67 रन कर खुद को साबित किया। जायसवाल ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, 'मैं अपनी प्रक्रिया पर बहुत अधिक ध्यान देता हूं और अभ्यास सत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं। मैं कड़ी मेहनत करने के साथ सही लोगों के बीच रहने पसंद करता हूं।' राजस्थान की टीम 10 मैचों में 16 अंक के साथ प्लेऑफ की दौड़ में अच्छी स्थिति में है। जायसवाल चाहते है कि उनकी टीम यह लय बनाए रखे। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए अभी चीजें सही चल रही है और मुझे उम्मीद है कि हम यह लय जारी रखते हुए अपनी आगामी मैचों में भी प्रक्रिया पर ध्यान देंगे।' जायसवाल के अनुसार आईपीएल खेलने से उन्हें अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले तैयारियों को पुख्ता करने का मौका मिलेगा।

मुंबई की हालत हुई खस्ता तो जाफर ने दी सलाह

बुमराह को आराम दे दो

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस की टीम का आईपीएल 2024 में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। नए कप्तान पंड्या के नेतृत्व में टीम ने लगातार मैच गंवाए हैं। कागज पर मजबूत होने के बावजूद टीम के ज्यादातर खिलाड़ी मैदान पर फ्लॉप रहे हैं। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता ने वानखेड़े स्टेडियम में 12 साल बाद जीत हासिल की। इसके साथ ही हार्दिक पंड्या की टीम 11 मैच में से आठ मैच हार चुकी है और टूर्नामेंट से बाहर होने के करीब है और इसी वजह से भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने मुंबई के मैनेजमेंट को सलाह दी है कि आगामी टी-20 विश्व कप को देखते हुए जसप्रीत बुमराह को अब आराम दे देना चाहिए। आईपीएल के प्लेऑफ में मुंबई के लिए जगह बनाना मुश्किल है और इस वजह से वसीम जाफर ने मुंबई इंडियंस को सुझाव दिया है कि बुमराह को आराम दिया जाना चाहिए क्योंकि टी-20 विश्व कप को शुरू होने में सिर्फ तीन हफ्ते बचे हैं। वसीम जाफर ने कहा, "हां, अगर एक मैच के बाद, अगर ये कंफर्म होता है कि वे प्लेऑफ में नहीं जा सकते हैं, भारत में बुमराह को आराम देना सही रहेगा।" आईपीएल 2024 में जसप्रीत बुमराह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 11 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। जारी सीजन में बुमराह ने काफी किफायती गेंदबाजी की है। कई मैचों में टीमों ने 200 प्लस स्कोर बनाए हैं लेकिन बुमराह ने कसी हुई गेंदबाजी की है। टी-20 विश्व कप में भारत के खिताबी अभियान में जसप्रीत बुमराह की भूमिका काफी अहम रहेगी, क्योंकि शमी चोटिल हैं और सिराज फॉर्म में नहीं है।

आंद्रे रसेल ने बीच मैदान पर खोया आपा

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना आईपीएल 2024 के 51वें मैच में मुंबई इंडियंस से हुआ। इस मैच में कोलकाता ने मुंबई को 24 रन से पटखनी दी और वानखेड़े में मुंबई को 12 साल बाद हराया। केकेआर की जीत के रियल हीरो वेंकटेश अय्यर और मिचेल स्टार्क रहे। वेंकटेश ने टीम की पारी को लड़खड़ाने के बाद एक छोर से संभाला और 70 रन की अहम पारी खेली, जिसके दम पर केकेआर ने 169 रन स्कोर बोर्ड पर टांगे। एक वक्त पावरप्ले में केकेआर का स्कोर 5 विकेट के नुकसान पर 57 रन था, लेकिन मनीष पांडे और वेंकटेश ने 83 रन की साझेदारी कर टीम की पारी को संभाला। इस बीच केकेआर के धाकड़ बैटर आंद्रे रसेल रन आउट हुए। हार्दिक ने रसेल को रन आउट किया, लेकिन रसेल खुद के रन आउट होने के बाद गुस्से में दिखे।

यूरोप दौरे के लिए | भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली

आगामी 20 से 29 मई के बीच बेल्जियम,नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा करने वाले भारतीय जूनियर हॉकी टीम की घोषणा शनिवार को यहां कर दी गयी। भारतीय जूनियर अपना पहला मैच 20 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ खेलेंगे जबकि उनका अगला मुकाबला 22 मई को ब्रेडा, नीदरलैंड में बेल्जियम से ही होगा। भारतीय टीम 23 मई को ब्रेडा में नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश से खेलेगी और उसके बाद 28 मई को जर्मनी में जर्मनी के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे 29 मई को

दौरे के अपने अंतिम मैच में एक बार फिर जर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटेंगे। भारतीय टीम का नेतृत्व डिफेंडर रोहित करेंगे जबकि शारदानंद तिवारी उपकप्तान होंगे। गोलकीपिंग विभाग की कमान प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह के हाथों में होगी, जबकि शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, रोहित, मनोज यादव और तालेम प्रियो बार्टा को डिफेंडर के रूप में चुना गया है। अंकित पाल, रोशन कुजूर, बिपिन बिलवारा रवि, मुकेश टोप्पो, मनमीत सिंह और वचन एच ए मिडफील्ड में विपक्षी टीम को झकायेंगे वहीं फॉरवर्ड में सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, गुरजोत सिंह, मोहम्मद, कोनैन दाद, दिलराज सिंह और गुरसेवक सिंह की भूमिका अहम होगी। कप्तान रोहित ने कहा "हम अपने शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेमप्ले की समझ विकसित कर चुके हैं। दूसरे देशों की टीमों के खिलाफ एक साथ खेलना अद्भुत होगा, जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने और इस तरह के प्रदर्शन से बेहतर होने में मदद मिलेगी।"

गिल ने हरलीन देओल को दिए बैटिंग टिप्स

नई दिल्ली। गुजरात और रॉयल बेंगलुरु के बीच शनिवार को मैच खेला गया। इस मुकाबले से पहले जीटी के कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी हरलीन देओल को बैटिंग टिप्स दिए। गिल और हरलीन का वीडियो जीटी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। 25 वर्षीय हरलीन भारत के लिए 10 और 24 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। उन्होंने 2019 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। गिल और हरलीन के वीडियो पर क्रिकेट फैंस के खूब रिएक्शन आ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, "पुरुष और महिला क्रिकेट में टीम इंडिया का भविष्य एकसाथ नजर आ रहा है।" दूसरे फैन ने एक दिलचस्प कनेक्शन ढूंढ़ निकाला। उसने लिखा, "दोनों पंजाबी हैं और आईपीएल/डब्ल्यूपीएल में गुजरात के लिए खेलते हैं।"

डेविड वार्नर 70% भारतीय और 30% ऑस्ट्रेलियाई हैं : फ्रेजर-मैकगर्क

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की युवा पावर-हिटर जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने फ्रेजर-मैकगर्क ने दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'वह (डेविड) उन सबसे निःस्वार्थ लोगों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। उसके पास हमेशा सभी के लिए समय होता है। वह 24/7 आपकी मदद करना चाहता है। वह हर होटल में हमेशा मुझसे दो कमरे की दूरी पर रहता है। बस उसके कमरे में जाओ और हर सुबह कॉफी पिओ।' उन्होंने कहा, 'वह ऑस्ट्रेलियाई से ज्यादा भारतीय

हैं। यही मैं उनसे कहता हूं। मैं कहता हूं कि वह 70% भारतीय हैं, 30% ऑस्ट्रेलियाई हैं।' फ्रेजर-मैकगर्क ने कहा, 'मुझे याद है कि मेरे मन में पहला विचार आया था, वह मेरी कल्पना से थोड़ा अधिक लंबा है। मैंने सोचा था कि वह थोड़ा छोटा होगा, लेकिन वह काफी बड़ी इकाई है। वह अब तक बिल्कुल ठीक है। हम कैप के लिए (गोल्फ) खेलते हैं। जो भी हारता है उसे दूसरे व्यक्ति के लिए कैप खरीदनी पड़ती है। हमारे बीच कुछ करीबी खेल हैं, लेकिन यह करीबी नहीं होना चाहिए, क्योंकि तकनीकी रूप से मुझे अपनी विकलांगता के कारण बेहतर गोल्फ खिलाड़ी होना चाहिए, लेकिन वह काफी अच्छा खेला है।' आईपीएल के अनुभव के बारे में बात करते हुए 22 वर्षीय फ्रेजर-मैकगर्क ने कहा, 'वास्तव में इसमें होने और इसे बाहरी दृष्टिकोण से देखने और इसके बारे में सुनने के अंतर ने काफी अच्छी तरह से संयोजन कर लिया है। मैंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। खेल खेलने की कोई उम्मीद है, लेकिन अभी खेलने में सक्षम होना बहुत अच्छी बात है।'

गढ़ में दबदबा बरकरार रखेगा LSG

कोलकाता के खिलाफ टीम का पलड़ा भारी

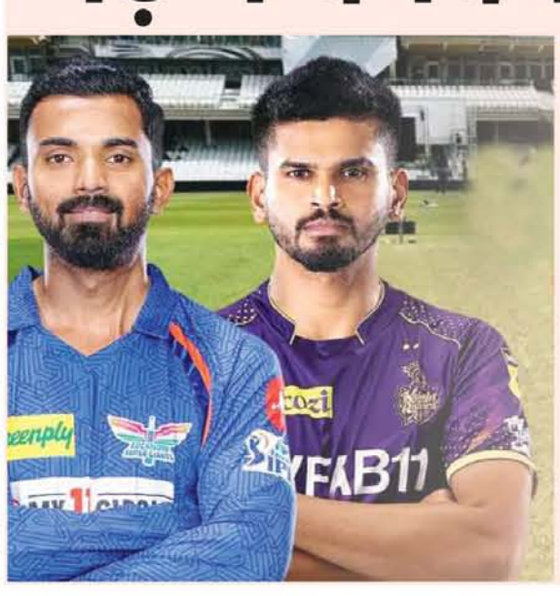

लखनऊ। आईपीएल सीजन 17 का 54वां मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच 5 मई को शाम 7:30 बजे लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में दोनों टीमों के बीच रेस लगी हुई है, KKR ने 10 में से 7 मुकाबलों में जीत हासिल कर 14 पॉइंट्स के साथ टेबल पर दूसरे स्थान पर है। वहीं, लखनऊ की टीम ने 10 में से 6 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में 12 अंक के साथ तीसरे पायदान पर बैठी है। KKR और LSG के सीजन के पिछले मुकाबलों की बात करें दोनों का आमना-सामना मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुआ था।

हेड टू हेड में आगे

लखनऊ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज की थी, वहीं KKR ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 24 रनों से जीत दर्ज की थी। अब यह दोनों 5 मई को इकाना स्टेडियम में आमने-सामने होंगी, इससे पहले आइए देखते हैं की कौन है हेड टू हेड में आगे। आईपीएल 2024 के सीजन में लखनऊ और कोलकाता के बीच आमना-सामना 14 अप्रैल यानि टूर्नामेंट के 28वें मैच में हुआ था। यह मुकाबला कोलकाता के गढ़ ईडन गार्डन्स में खेला गया था। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल और निकोलस पूरन के दम पर 7 विकेट खोकर 7 विकेट के नुकसान पर 161 रन बनाए थे। इसके जवाब में KKR ने फिल सॉल्ट के नाबाद धुआंधार पारी के दम पर 9 विकेट से आसान जीत हासिल की। आईपीएल इतिहास में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) और लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) अब तक 4 बार आपस में टकराई है। इन चार मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स का पलड़ा कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ भारी है। LSG ने 3 मैच जीते हैं तो वहीं, KKR बस एक मैच अपने नाम कर पाई है।

किस दिशा में लगाएं दौड़ते घोड़ों की तस्वीर

आप सभी इस बात से तो बखूबी वाकिफ होंगे कि वास्तु हमारे जीवन की कई परेशानियों का समाधान कर देता है और उसके पास आपकी हर परेशानी का अंत है। ऐसे में वास्तु के अनुसार अगर जीवन में तरक्की करनी है और जल्द से जल्द अमीर बनना है तो आपको बता दें कि वास्तु में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनसे जीवन में तरक्की के नए-नए रास्ते खुलते हैं। तो आज इस आर्टिकल में बात करेंगे कुछ ऐसे उपाय के बारे में जिसको करने से जीवन में आसानी से तरक्की मिल जाएगी। वास्तु के अनुसार अगर घर में दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर या पेंटिंग लगाई जाए तो जीवन में तरक्की की राह आसान हो जाती है।

घोड़ों की तस्वीर घर की उत्तर दिशा में ही लगाना शुभ

तस्वीर को आप अपने कार्यालय या अपने व्यवसाय की जगह पर लगा सकते हैं। तस्वीर लगाते समय ध्यान रखें कि दौड़ते सात घोड़ों का मुंह आपके कार्यालय में अंदर की तरफ होना चाहिए। यदि आप इस तस्वीर को अपने कार्यालय में लगा रहे हैं तो दक्षिण दिशा में लगाना शुभ रहेगा। यदि यही तस्वीर आप अपने घर में लगाना चाह रहे हैं तो पूर्व दिशा की तरफ लगाना शुभ होगा। इस तस्वीर को यदि आप अपने घर के हॉल में लगाना चाहते हैं तो इसे दक्षिण दिशा की दीवार पर लगा सकते हैं।

यदि आप कार्यक्षेत्र में पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं तो ऐसे में दौड़ते हुए घोड़ों की तस्वीर घर की उत्तर दिशा में ही लगाना शुभ रहेगा।

इन बातों का ख्याल रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप अपने घर, कार्यालय या व्यापार-व्यवसाय के स्थान पर इस तस्वीर को लगा रहे हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस तस्वीर में सभी सात घोड़े साफ-साफ दिखाई दे रहे हों। इसके अलावा इस तस्वीर को लगाते समय यह ध्यान रखें कि इन घोड़ों की लगाम बंधी हुई ना हो। घोड़े प्रसन्न और आनंदित मुद्रा में दिखाई दे रहें हों।

सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं सफेद घोड़ा

घर या ऑफिस में दौड़ते घोड़े लगाना शुभ माना गया है, पर याद रखें कि घोड़ों का रंग सफेद ही होना चाहिए। बता दें कि सफेद घोड़े सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक होते हैं। यह घर और ऑफिस की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। इससे आपके कारोबार को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही लोगों की नजरों में आपका सम्मान बढ़ेगा।

खिड़की पर दौड़ते घोड़ी की मूर्ति रखना भी शुभ

यदि आप दक्षिण दिशा में दौड़ते हुए घोड़ों की पेंटिंग नहीं लगा पा रहे हैं तो घर के मुख्य द्वार की खिड़की पर दौड़ते हुए घोड़ी की मूर्ति रख सकते हैं। यह भी काफी फलदायी माना जाता है। मुख्य द्वार पर इस मूर्ति को लगाते समय ध्यान रहे कि घोड़ी का मुंह खिड़की से बाहर देख रहा हो।

त्वचा को खूबसूरत बनाने के उपाय

गर्मी के दिनों में पसीना आना आम बात है, ऐसे में शरीर से बदबू आने लगती है। जो कई बार शर्मिंदगी का कारण बन जाती है। परफ्यूम लगाने के बाद भी आपको लगातार पसीना और बदबू आ रही है, तो अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे, जिन्हें पानी में डालकर नहाने से पसीने की बदबू से छुटकारा मिलेगा।

गुलाब जल का इस्तेमाल

नहाते टाइम आप पानी में गुलाब जल डाल सकते हैं। इससे आपके शरीर से बदबू दूर होगी और त्वचा खूबसूरत दिखेगी। इसके अलावा आप नींबू का रस भी पानी में डाल सकते हैं। ऐसा करने से शरीर पर मौजूद बैक्टीरिया मरते हैं और बदबू दूर होती है। अगर आप अपने पास से बदबू दूर करना चाहते हैं और खूबसूरत दिखना चाहते हैं, तो आप नहाने के पानी में चंदन पाउडर भी मिला सकते हैं।

पुदीने की पत्तियां

पुदीने की पत्तियां त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करती है और शरीर को गर्मी के मौसम में ठंडक पहुंचती है। यह बदबू पैदा होने वाले बैक्टीरिया को भी मारने में काफी मदद करती है। इसके अलावा आप नहाने के पानी में लैवेंडर तेल डाल सकते हैं, यह त्वचा को सुगंधित बनता है। इन सब चीजों का इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट जरूर करें। अगर ये आपकी स्किन पर सूट नहीं होते हैं, तो आप इनका इस्तेमाल करना बंद कर दें।

इन बातों का रखें ध्यान

इन चीजों को पानी में मिलाकर नहाने से आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं, लोकिन ध्यान रहे इन चीजों का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें। जरूरत से ज्यादा उपयोग करने से कुछ लोगों को समस्या हो सकती है। इसके अलावा नहाने के बाद आप चाहे तो शरीर पर मॉइश्चराइजर या लोशन लगा सकते हैं। ध्यान रहे कुछ लोगों को इन चीजों से एलर्जी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गर्मी में चाय-कॉफी या कोल्ड ड्रिंक हद से ज्यादा न पिएं

शीतल पेय, कॉफी, चाय और शराब जैसे पेय पदार्थ पीने से निर्जलीकरण हो सकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि हाई प्रोटीन वाला खाना न खाएं। साथ ही स्ट्रीट फूड खाने से भी बचें। घर में खाना बनाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। सरकार की सलाह में कहा गया है कि शीतल पेय, कॉफी, चाय और शराब जैसे पेय पदार्थ पीने से निर्जलीकरण (पानी की कमी) हो सकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि हाई प्रोटीन वाला खाना न खाएं। साथ ही स्ट्रीट फूड खाने से भी बचें। घर में खाना बनाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें।

पर्याप्त पानी पियें। भले ही आपको प्यास न लगे, फिर भी जितनी बार हो सके पानी पियें। हल्के रंग के ढीले और छिद्रयुक्त सूती कपड़े पहनें। धूप में बाहर जाते समय चश्मा, छाता/टोपी, जूते या चप्पल का प्रयोग करें। जब बाहर का तापमान अधिक हो तो बाहर जाने से बचें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी रखें। शराब, चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक पीने से बचें। उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें। यदि आप बाहर काम करते हैं, तो टोपी या छाते का उपयोग करें और अपने सिर और चेहरे को हल्के सूती कपड़े से ढकें। यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। ओआरएस, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें।

बच्चों को समय पर सोना बहुत जरूरी

अगर आपका बच्चा रात में देर तक जागता है और दिन में सोता है, तो यह आपके लिए और आपके बच्चे के लिए थकान भरा हो सकता है। यहां कुछ आसान उपाय दिए गए हैं जो बच्चे को जल्दी सोने में मदद करेंगे..

रोजाना समय पर सुलाएं: हर दिन एक ही समय पर बच्चे को सुलाने की कोशिश करें। इससे उनका शरीर उस समय के हिसाब से आदत डाल लेगा और वे आसानी से सो जाएंगे।

खेल-कूद का समय बढ़ाएं: दिन में बच्चे को खूब खेलने दें। खेलने से उनकी ऊर्जा खर्च होती है और वे थक कर रात में अच्छी तरह से सो पाते हैं।

शांत संगीत सुनाएं: सोने से पहले बच्चे को शांत संगीत सुनाना फायदेमंद हो सकता है। यह उन्हें शांत करता है और सोने में मदद करता है।

गैजेट्स से दूर रखें: सोने से पहले बच्चे को टीवी, मोबाइल फोन और अन्य स्क्रीन से दूर रखें। इनकी रोशनी और गतिविधियां नींद को खराब कर सकती हैं।

सोने से पहले करें ये काम : बच्चे को नियमित रूप से सोने से पहले नहलाना, हल्की मसाज देना शामिल करें। यह उन्हें सोने के लिए तैयार करता है और उन्हें अच्छी नींद आने में मदद करता है।

दाल-चावल के 5 फायदे

अगर आप भी चावल-दाल के शौकीन है तो ये खबर आपके लिए है। ज्यादातर भारतीयों का पसंदीदा और सबसे आराम से बन जाने वाला दाल-चावल वजन कम करने के लिए सबसे अच्छा फूड है। इसके अलावा दाल-चावल खाने से कई और फायदे मिलते हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि दाल-चालव खाने से वजन तेजी से बढ़ता है लेकिन ऐसा नहीं है। दाल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन और चावल का फाइबर मिलकर वेट लॉस में मददगार होते हैं। यहां जानिए दाल-चावल खाने के 5

1.मांसपेशियां-टिशू रिपेयर का काम

दाल खाने से शाकाहारी लोगों को अच्छी-खासी मात्रा में प्रोटीन मिल जाता है,लेकिन हाई प्रोटीन के लिए तुअर, मूंग या चना दाल ही खाना चाहिए। शरीर में अच्छी मात्रा में प्रोटीन मिलने से मांसपेशियों का निर्माण और टिशू रिपेयर करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही स्टीम राइस से गुड कार्ब्स शरीर को मिलते हैं।

2. पोषक तत्वों का खजाना

डाइटिशियन के मुताबिक, एक कप सफेद चावल में रोजाना की जरूरत का 37 प्रतिशत मैंगनीज और 17 परसेंट सेलेनियम होता है। वहीं, 4 बड़े चम्मच अगर दाल ले ली जाए तो उसमें 12 फीसदी मैंगनीज, 8 प्रतिशत आयरन और 20 परसेंट फोलेट शरीर को मिल जाता है। दाल-चावल बी कॉम्प्लेक्स विटामिन के लिए भी अच्छा फूड है।

3. पाचन बनाए जबरदस्त

दाल-चावल दोनों में फाइबर खूब पाया जाता है। इसे खाने से कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। अगर दाल का तड़का हींग और जीरा से लगाया जाए, तो मेटाबॉलिज्म तेज होगा और पाचन काफी मजबूत होगा।

4. संपूर्ण भोजन

दाल में कई तरह के जरूरी अमीनो एसिड पाए जाते हैं,जो सिर्फ खाने से ही मिल सकता है। यही कारण है कि दाल-चावल को संपूर्ण भोजन माना जाता है, क्योंकि इससे ज्यादा अमीनो एसिड मिलता है, जो सेहत के लिए आवश्यक होते हैं।

5. क्रेविंग कंट्रोल करे

दाल-चावल खाने से पेट काफी समय तक भरा-भरा रहता है। इसकी वजह से एक्स्ट्रा कैलोरी से शरीर बच जाता है। इसके साथ ही फाइबर और प्रोटीन की वजह से शरीर का वजन भी कंट्रोल रहता है। इससे वजन बढ़ नहीं पाता है और मोटापे जैसी समस्याएं भी नहीं होती हैं।

गर्मी में सब्जी फ्रेश रखने के उपाय

गर्मियों में अक्सर सब्जियां जल्दी खराब हो जाती हैं। इससे न सिर्फ सब्जियों का स्वाद बिगड़ता है, बल्कि उनके पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। लेकिन, थोड़ी सी सावधानी और कुछ आसान टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी अपनी सब्जियों को फ्रेश और ताजा रख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सब्जियों को सही तरह से स्टोर कर सकते हैं और क्या करें कि उनकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहे। चलिए जानते हैं कुछ आसान टिप्स..

सब्जियों को सूखा रखें

सब्जियों को धोने के बाद हमेशा अच्छे से सुखा लें, क्योंकि अगर वे गीली रहेंगी, तो जल्दी खराब हो सकती हैं। इसलिए, उन्हें पूरी तरह से सुखाने के बाद ही फ्रिज में रखें। यह सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रखने में मदद करता है।

फ्रिज का सही इस्तेमाल

अपने फ्रिज का तापमान हमेशा 1 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच रखना चाहिए। यह तापमान सब्जियों के लिए बिल्कुल सही होता है और उन्हें ज्यादा दिन तक ताजा रखने में मदद करता है। इस तापमान पर रखने से सब्जियां ना सिर्फ ताजा रहती हैं,बल्कि उनका स्वाद और पोषक तत्व भी बचे रहते हैं। इसलिए, फ्रिज के तापमान को सही सेट करना बहुत जरूरी है, ताकि आपकी सब्जियां हमेशा फ्रेश और स्वादिष्ट बनी रहें।

सब्जियों को खोलकर रखें

सब्जियों को एक-दूसरे के ऊपर मत रखें। उन्हें थोड़ी दूरी पर रखो ताकि हवा अच्छे से उन तक पहुंचे। इससे सब्जियां ज्यादा दिन तक फ्रेश रहेंगी। जब सब्जियां अच्छे से हवा में रहती हैं,तो वे लंबे समय तक अच्छी रहती हैं और उनके स्वाद और पोषक तत्व भी बचे रहते हैं।

अलग-अलग स्टोर करने का तरीका

कुछ सब्जियां जैसे टमाटर और खीरा, फ्रिज में नहीं रखनी चाहिए। इन्हें बेहतर है कि कमरे के तापमान पर रखें। अगर ये सब्जियां बहुत ठंड में रखी जाएं तो ये जल्दी खराब हो सकती हैं।

पेपर टॉवेल का प्रयोग

सब्जियों को पेपर टॉवेल में लपेटें। यह उनसे अतिरिक्त नमी को सोख लेगा और उन्हें लंबे समय तक फ्रेश रखेगा। ये सभी टिप्स आपकी सब्जियों को गर्मियों में भी ताजा रखने में मदद करेंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने खाने को हेल्दी और स्वादिष्ट बना सकते हैं।

मिट्टी के घड़े का पानी हेल्थ के लिए अच्छा

अगर आप घड़े और सुराही का पानी पीते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि उनकी सफाई किस तरह से करनी चाहिए। घड़े और सुराही का पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि यह पानी पीने में भी स्वादिष्ट लगता है हालांकि, अगर इनकी सही से सफाई न की जाए तो इससे पानी में कीटाणु ब ढ़ सकते हैं जो आपको बीमार भी कर सकते हैं...

रोजाना सफाई करें:

हर रोज सुराही या घड़े को खाली करें और गर्म पानी से अच्छी तरह से धोएं। इससे अंदर जमा गंदगी और कीटाणु निकल जाएंगे।

ब्रश का उपयोग करें:

एक लंबे हैंडल वाला ब्रश लें जो घड़े या सुराही के अंदर तक पहुंच सके। इससे अंदर की सतहों को अच्छी तरह से साफ किया जा सकता है।

विनेगर का उपयोग करें:

महीने में एक बार विनेगर और पानी का मिश्रण बनाकर उससे घड़े या सुराही को धोएं। विनेगर कीटाणुनाशक होता है और यह गंध को भी दूर करता है।

बेकिंग सोडा का उपयोग :

एक कटोरी में एक चमच बेकिंग सोडा, एक बड़ा चमच सफेद सिरका और थोड़ा सा नमक मिलाकर एक घोल बना लें। इसे घड़े में डालें और ब्रश से रगड़ें।

गर्मियों में घर सजाने के यूनिक तरीके

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर दिखने में फ्रेश और सुंदर रहे, लेकिन हर बार नई चीजें खरीदना और बड़े बजट में घर सजाना संभव नहीं होता। इसलिए, आज हम आपको कुछ ऐसे खास और सस्ते तरीके बताएंगे जिससे आप अपने घर को बहुत ही कम खर्च में खूबसूरत बना सकते हैं। ये तरीके न सिर्फ आसान हैं, बल्कि इनसे आपके घर में एक नई रौनक भी आएगी। चलिए जानते हैं कि आप किस तरह से अपने घर को गर्मियों में सजा

पुरानी चीजों का इस्तेमाल

अपने पुराने जार, बोतल और फोटो फ्रेम को नए रंग से पेंट करें। फिर इन्हें घर में अलग-अलग जगहों पर सजा कर रखें। इस सिंपल से तरीके से आपका घर खूबसूरत और नया लगेगा। यह तरीका बहुत ही सस्ता और आसान है, और घर को बहुत ही सुंदर बना देता है।

दीवार पर पेंटिंग

अपने घर की दीवारों पर खुद से पेंटिंग करें। आप फूल, पत्तियां या कोई सिंपल डिजाइन बना सकते हैं। यह काम बहुत ही आसान है और इससे आपके घर की दीवारें और भी सुंदर दिखने लगेंगी। इस सस्ते तरीके से आप अपने घर को नया और खूबसूरत बना सकते हैं।

लाइट्स बदलें

अपने घर में छोटी और हल्की लाइट्स लगाएं और इन्हें घर के हर कोने में रखें। ये सिंपल लाइट्स घर में एक खूबसूरत माहौल बनाती हैं। यह तरीका न सिर्फ आसान है,बल्कि बहुत ही सस्ता भी है और इससे आपका घर और भी ज्यादा सुंदर दिखेगा।

पौधे लगाएं

अपने घर में कुछ छोटे पौधे लगाएं। ये पौधे न केवल घर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि वे हवा को भी साफ करते हैं। यह बहुत ही सस्ता और आसान तरीका है अपने घर को खूबसूरत और ताजगी से भरा रखने का। पौधे लगाने से घर में एक अच्छा माहौल बनता है।

लाइट कलर का इस्तेमाल

घर को सुंदर और ठंडा रखने के लिए हल्के रंग के पर्दे और कपड़े इस्तेमाल करें। ये कपड़े सूरज की तेज रोशनी को कम करते हैं और घर को ठंडा रखते हैं, जिससे आपका घर खूबसूरत और आरामदायक रहता है।

खिड़कियों में लगे कांच सफाई के टिप्स

अगर आपके घर की खिड़कियों में लगे कांच या कोई और कांच गंदे और धूल से भरे दिख रहे हैं, तो परेशान न हों। कांच को साफ करना कभी-कभी मुश्किल लग सकता है, खासकर जब वे पुराने और धुंधले नजर आने लगें, लेकिन हम आपको बताएंगे बहुत ही सिंपल और काम के टिप्स, जो आपके कांच को झटपट चमका देंगे, वो भी बस 2 मिनट में। इन आसान उपायों से आपके कांच न केवल साफ हो जाएंगे बल्कि आपका घर भी ज्यादा साफ-सुथरा और खूबसूरत दिखेगा।

सिरका और पानी का मिश्रण

कांच की सफाई के लिए, एक स्प्रे बोतल में सिरका और पानी को समान मात्रा में मिला लें। इस साधारण सफाई समाधान को गंदे कांच पर छिड़कें। उसके बाद, एक साफ माइक्रोफाइबर कपड़े की मदद से हल्के हाथों से पोंछ दें। यह आसान तरीका कांच को बिना किसी खरोंच के साफ कर देती है, जिससे वह फिर से चमकने लगता है।

न्यूजपेपर का प्रयोग

कांच को चमकाने के लिए सिरका और पानी का मिश्रण बनाकर उससे कांच साफ करें। इसके बाद, एक पुराने अखबार का टुकड़ा लेकर कांच पर अच्छे से रगड़ें। ये तरीका कांच को बहुत चमकदार बना देता है।। बस, इतना करने से ही आपके कांच फिर से नए जैसे चमकने लगेंगे।

बेकिंग सोडा का उपयोग

कठिन दागों को हटाने के लिए, बेकिंग सोडा और थोड़े पानी से एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को दाग वाले स्थान पर लगाएं और उसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। यह पेस्ट दाग को सोख लेगा। कुछ समय बाद, एक साफ कपड़े से इसे अच्छी तरह साफ कर दें। यह तरीका दागों को आसानी से हटा देगा और आपके कांच को फिर से नई जैसी चमक देगा।

दूध को फटने से बचाने के ट्रिक्स

गर्मियों में दूध फटना एक आम समस्या है,जो कई घरों में देखी जाती है। यह न केवल दूध की बर्बादी का कारण बनता है,बल्कि कई बार खाने-पीने की अन्य तैयारियों में भी बाधा डालता है, लेकिन कुछ आसान उपायों को अपनाकर आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

1.ठंडा करने का तरीका: दूध को उबालने के बाद तुरंत ठंडे स्थान पर रखें। आप दूध के बर्तन को पानी से भरे बड़े बर्तन में रख सकते हैं ताकि दूध जल्दी ठंडा हो जाए।

2.खाने का सोडा: दूध में थोड़ा सा खाने का सोडा मिलाने से भी दूध फटने की संभावना कम हो जाती है। इसे बहुत कम मात्रा में इस्तेमाल करें।

3.फ्रिज में रखें: गर्मी के दिनों में दूध को जल्दी फ्रिज में रख दें और बाहर निकालने के बाद तुरंत उपयोग करें। यह दूध को ज्यादा देर तक ताजा रखेगा।

अनारकली सूट में करीना कपूर का दिलकश अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान फिल्मों के साथ ही अपने ग्लैमरस लुक के लिए भी सुर्खियों में रहती हैं। करीना सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी दिलकश तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इस बार करीना ने अनारकली सूट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। तस्वीरों में वह ऑफ-व्हाइट और गोल्डन कलर का अनारकली सूट पहने नजर आ रही हैंह। इसके साथ उन्होंने मैचिंग चूड़ीदार और हेवी दुपट्टा कैरी किया है।

करीना ने न्यूड मेकअप, माथे पर बिंदी, कानों में गोल्डन झूमके और पैरों में गोल्डन जूतियों के साथ अपने लुक को कम्प्लीट किया है। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'कजरा मोहब्बत वाला।' तस्वीरों में करीना दिलकश अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। फैंस इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'असली मसतानी।' एक अन्य ने लिखा, 'बेबो ट्रेडिशनल आउटफिट में हमेशा शानदार दिखती हैं।'

'लाहौर 1947' में शाहरुख वाला टोटका अपनाएंगे सनी देओल और आमिर खान!

सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' ने 2023 में बॉक्स ऑफिस पर कोहराम मचाया। इस फिल्म से सनी का तगड़ा कमबैक हुआ। इसके बाद से ही पब्लिक उनकी अगली फिल्म का वेट कर रही है। फिल्म अनाउंस भी हो चुकी थी। इसका नाम है Lahore 1947। अब इसकी रिलीज डेट भी आ गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि इसे 2025 में गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सनी देओल की इस फिल्म को अगले साल रिपब्लिक डे के मौके पर रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। चूंकि इस फिल्म में देशभक्ति का पुट होगा। इसलिए आमिर खान और राज कुमार संतोषी 26 जनवरी के माहौल को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरहाल Lahore 1947 का शूट अभी चल रहा है। कुछ समय पहले प्रीति जिंटा ने इसके सेट से तस्वीरें भी शेयर की थीं। मेकर्स फिल्म को जून 2024 तक रैप करना चाहते हैं। फिल्म मुंबई में ही शूट हो रही है। इसके लिए एक बड़ा सेट लगाया गया है। ताकि 50 के दशक को रीक्रिएट किया जा सके। ज्यादातर सेट के जरिए ही सबकुछ दिखाया जाएगा। बहुत कम VFX इस्तेमाल किये जाएंगे। फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसमें उनका एक कैमियो भी होगा। बताया जा रहा है, ये एक महत्वपूर्ण किरदार होगा। सनी देओल के अलावा फिल्म में प्रीति जिंटा लीड रोल में हैं। संतोष सिवान जैसे सिनेमैटोग्राफट भी फिल्म का हिस्सा हैं। राजकुमार संतोषी 'लाहौर 1947' को डायरेक्ट कर रहे हैं। उन्होंने इससे पहले सनी देओल के साथ 'घायल' और 'घातक' जैसी हिट फिल्में दी हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म में भी इस जोड़ी का जादू देखने को मिलेगा।

फैंस को मिलेगा श्रीदेवी के चेन्नई वाले घर में रहने का मौका

बॉलीवुड अदाकारा श्रीदेवी भले ही इस दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं, लेकिन फैंस आज भी उन्हें याद करते हैं। वहीं अब फैंस को श्रीदेवी के घर में ठहरने का मौका मिलने वाला है। श्रीदेवी ने बरसों पहले चेन्नई में एक घर खरीदा था। यह उनका पहला घर था, जिसे उन्होंने बोनी कपूर संग शादी के बाद खरीदा था। श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर का बचपन भी इसी चेन्नई वाले घर में बिता था। इस घर के अंदर श्रीदेवी की कई सारी यादें हैं। श्रीदेवी के इसी घर में फैंस रहने का लुफ्त उठा सकते हैं। दरअसल, इसे एयर बीएनबी ने 11 माशहूर प्रॉपर्टी की लिस्ट में शामिल किया है। इस हवेली के लिए किराया भरकर आप भी श्रीदेवी के इस घर में रह सकते हैं। खबरों के अनुसार जाह्नवी इस घर के दरवाजे सिलेक्टेड एयरबीएनबी यूजर्स के लिए खोलेगी। खास बात यह है कि इस घर में वन नाइट स्टे के जाह्नवी से बातचीत का भी मौका मिलेगा। बता दें कि लीकेज और रख-रखाव की समस्याओं के कारण श्रीदेवी ने इस घर को छोड़ दिया था। हालांकि श्रीदेवी के निधन के बाद बोनी कपूर ने इसकी मरम्मत करा दी।

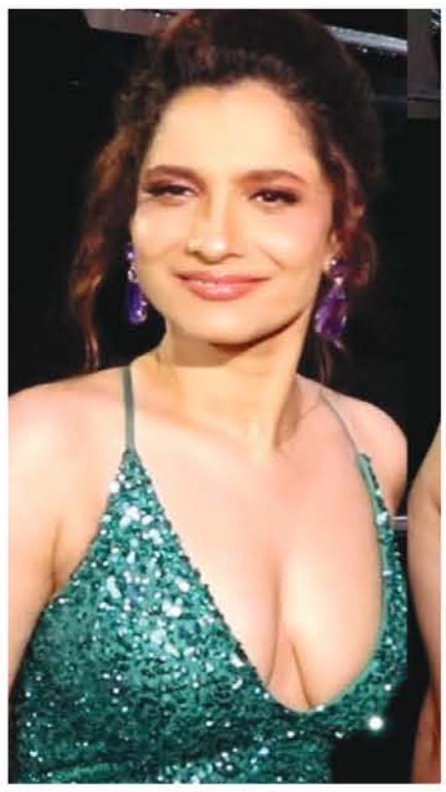

अंकिता लोखंडे ने ठुकराया करण जौहर की SOTY 3 का ऑफर?

अंकिता लोखंडे टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। अंकिता की पॉपुलैरिटी में रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' के बाद और भी इजाफा हुआ है। अंकिता लोखंडे को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। हाल ही में खबर आई कि अंकिता को करण जौहर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। अंकिता के एक करीबी सूत्र से पता चला था कि उन्हें करण जौहर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' का ऑफर मिला।

SOTY3 फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज होगी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के अवसर को ठुकरा दिया। इसका कारण सिर्फ उन्हें ही पता है। अब अंकिता लोखंडे की पीआर टीम ने इस खबर को झूठा बताया है। आजतक की रिपोर्ट के अनुसरा अंकिता लोखंडे को करण जौहर की ओर से कोई ऑफर नहीं दिया गया है। ये खबरें फेक हैं। बता दें कि पहली स्टूडेंट ऑफ द ईयर साल 2012 में रिलीज हुई थी। इससे आलिया भट्ट, सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन ने डेब्यू किया था। इसके बाद फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 साल 2019 में आई, जिसमें टाइगर श्रॉफ, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया नजर आए।

शर्मिन सेगल ने ठुकरा दिया था सलमान खान के शादी का प्रस्ताव

संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी हैं। इस सीरीज में भंसाली की भांजी शर्मिन सेगल ने भी अहम किरदार निभाया है। सीरीज में आलमजान के किरदार में शर्मिन ने सभी को इंप्रेस किया है। शर्मिन ने अपनी पर्सनल लाइफ और फिल्मी करियर को लेकर बात की।

एक्ट्रेस ने इस बात का भी खुलासा किया कि उन्हें सलमान खान ने शादी के लिए प्रपोज किया था, लेकिन उन्होंने मुंह पर मना कर दिया था। शर्मिन सेगल ने बताया कि वह सलमान खान से पहली बार फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के सेट पर मिली थी। उस समय मेरी उम्र 2 या 3 साल होगी। मुझे याद है कि सलमान ने मजाक-मस्ती करते हुए कहा कि तुम मुझसे शादी करोगी? शर्मिन ने कहा, मैंने हंसते हुए सलमान से कहा 'नहीं'। मैं उस समय हर चीज के लिए, हर सवाल का जवाब 'ना' में ही देती थीं। उस मसय मैं इतनी छोटी थी कि मुझे शादी का मतलब समझ में नहीं आता था। एक्ट्रेस ने बताया कि वह सलमान की बहुत बड़ी फैन है। उन्हें आज भी 'ओ ओ जाने जाना' और 'प्यार किया तो डरना क्या' जैसे गानों पर डांस करना पसंद है।

कंगना से तुलना किए जाने पर भड़कीं स्वरा भास्कर

बॉलीवुड कलाकारों का झगड़े में पड़ना कोई नई बात नहीं है। वे प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा में गहराई से उलझे हुए हैं और कभी-कभी ऐसा तब भी होता है जब विचारों में मतभेद होता है। ऐसे में अपने विवादित बयानों से फैंस के बीच सुर्खियां बटोरने वाले दो कलाकार स्वरा भास्कर और कंगना रणौत एक-दूसरे के खिलाफ अपनी राय रखने के लिए हमेशा खबरों में रहती हैं। एक बार फिर इनकी लड़ाई सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई है।

स्वरा ने अपने और कंगना के बीच अंतर के बारे में बात की। दोनों ने फिल्म 'तनु वेड्स मनु' में साथ काम किया था। स्वरा ने कहा कि "मैं बस यह बताना चाहती हूं कि बहुत से लोग 'कंगना और तुम, कंगना और तुम' कहते हैं, लेकिन इसमें एक बड़ा अंतर है। कंगना ने जब आवाज उठाई, सत्ता के पक्ष में उठाई, मैंने जब आवाज उठाई, सत्ता से सवाल करने के लिए उठाई।" स्वरा ने यह भी बताया कि फिल्म में काम करते वक्त दोनों अच्छे दोस्त हुआ करते थे, उन्होंने आगे कहा, "शूटिंग के दौरान वह मेरा हाथ पकड़कर चलती थीं। मुझे याद है कि मैंने उनके इंट्रोडक्शन सीन के लिए उनके बालों को स्टाइल किया था। फिर अचानक उन्हें मुझसे दिक्कत हो गई, जो लोग काफी उदार और अच्छे हो जाते हैं, उन्हें किसी और के विचार पसंद नहीं आते। शायद उनके साथ भी यही हुआ होगा।"

हंसल मेहता की सीरीज 'गांधी' में 'हैरी पॉटर' के अभिनेता की एंट्री

हंसल मेहता की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'गांधी' में मशहूर हॉलीवुड फिल्म 'हैरी पॉटर' के अभिनेता टॉम फेल्टन की एंट्री हो चुकी है। गुरुवार को फिल्म निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। अभिनेता टॉम फेल्टन 'हैरी पॉटर' जैसी फिल्म में अपने अभिनय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हुए। 'हैरी पॉटर' फिल्म जे. के. रोलिंग की बेस्ट सेलिंग किताब की सीरीज पर आधारित है। भारत में भी 'हैरी पॉटर' के प्रशंसकों की बड़ी तादाद है। खासकर बच्चों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। हंसल मेहता ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की। मेहता ने पोस्ट कर लिखा, 'हमारी शूटिंग चल रही है। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार टॉम फेल्टन, लिब्बी माई, मौली राइट, राल्फ एडेनियि, जेम्स मरे, लिंडन अलेक्जेंडर, जोनो डेविस, साइमन लेनन आदि के साथ काम कर के मैं बेहद रोमांचित हूं।'

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की शादी को 44 साल हुए पूरे

बॉलीवुड की सदाबहार गोल्डन जोड़ी, हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की शादी को आज 44 साल पूरे हो गए हैं। दोनों ने 2 मई 1980 को शादी रचाई थी। मैरिज एनिवर्सरी के इस खास मौके को उनकी बेटी ईशा देओल ने और भी खास बना दिया है। ईशा देओल ने इंस्टाग्राम पर एक दिल छू लेने वाली अनदेखी तस्वीर साझा कर धर्मेंद्र और हेमा मालिनी को इस खास दिन के लिए बधाईयां दी है। ईशा देओल ने अपने माता-पिता एक अनदेखी

तस्वीर उन्होंने साझा की, जिसमें हेमा मालिनी प्यार और खुशी में धर्मेंद्र के कंधे पर प्यार से झुकी हुई हैं। धर्मेंद्र ग्रीन कलर की शर्ट में नजर आ रहे हैं। वहीं, हेमा मालिनी फ्लॉवर प्रिंट आउटफिट पहने दिख रही हैं। इस तस्वीर के साथ ईशा ने एक प्यार सा नोट भी लिखा है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने माता-पिता से कितान प्यार करती हैं। ईशा देओल ने लिखा, मेरे पापा और मां को सालगिरह की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं, मैं बस इस खास मौके पर आपको गले लगाना चाहती हूं। और मैं बस आपको गले लगाना चाहती हूं।

अदिति ने किया खुलासा, आखिर 400 साल पुराने मंदिर में क्यों की थी सगाई?

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने बीते दिनों एक्टर सिद्धार्थ संग गुपचुप सगाई कर ली थी। दोनों काफी समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। कपल ने अपने परिवार और खास दोस्तों की मौजूदगी में सगाई की थी। हाल ही में अदिति राव हैदरी ने अपनी सगाई को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इस बात का भी खुलासा किया कि आखिर उन्होंने 400 साल पुराने मंदिर में सगाई क्यों की थी?

अदिति ने कहा, वह हमेशा से अपने जीवन का नया अध्याय अपने परिवार के मंदिर में शुरू करना चाहती थीं, जो लगभग 400 साल पुराना है। उन्होंने बस एक छोटी सी पूजा की और उसके बाद एक-दूसरे को अंगूठियां पहनाईं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं अपने परिवार के 400 साल पुराने मंदिर में अपनी शादी की शुरुआत करना चाहती थी। मैं वहां जाकर पूजा करना चाहती थी और हमारी सगाई भी हुई। चारों ओर बहुत सारी अफवाहें चल रही थीं, इसलिए सबकुछ क्लियर करने के लिए हमने इंस्टाग्राम पर सगाई वाली तस्वीर पोस्ट करने का फैसला किया। अदिति ने कहा, मेरी मां ने मुझसे कहा था कि प्लीज लोगों को बता दो, नॉनस्टॉप बहुत फोन आ रहे हैं। तो ये कुछ ऐसा था कि उन्होंने हां कहा और मैंने भी हां कहा

जल्द सगाई करेंगे शिवांगी जोशी-कुशाल टंडन?

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी और बिग बॉस फेम एक्टर कुशाल टंडन को सोनी टीवी के सीरियल 'बरसातें मौसम प्यार का' में एक साथ देखा गया था। दोनों के बीच की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई। हालांकि शो के दौरान सिर्फ ऑनस्क्रीन ही नहीं दोनों की ऑफ स्क्रीन बॉन्डिंग को लेकर भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। सीरियल खत्म होने के बाद भी दोनों को कई रेड कार्पेट इवेंट और फिल्म की स्क्रीनिंग में एक दूसरे के साथ स्पॉट किया गया।

अब खबर आ रही है कि शिवांगी और कुशाल एक दूसरे से सगाई करने जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन काफी समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। शिवांगी और कुशाल दोनों अपने रिश्ते को एक कदम और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। सीरियल के दौरान दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था। और दोनों एक दूसरे को लेकर काफी सीरियस भी हैं। जल्द ही दोनों की सगाई हो सकती है। लेकिन अपने रिश्ते को वे दोनों फिलहाल मीडिया की नजरों से दूर रखना चाहते हैं। जब सही समय आएगा तब सोशल मीडिया पर वो अपने 'कपल' होने की घोषणा करेंगे। आपको बता दें, इस पूरे मामले पर शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की तरफ से किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

उ0प्र0 अपराध निरोधक समिति, लखनऊ

(उ0प्र0 शासन द्वारा संरक्षित जेल मैन्युअल के अंतर्गत कार्यरत)

रविन्द्र शर्मा को उ0प्र0 अपराध निरोधक समिति

का प्रान्तीय सहायक सचिव मनोनित होने पर

प्रदेश की महामहिम राज्यपाल का

हार्दिक आभार

रविन्द्र शर्मा

प्रान्तीय सहायक सचिव, उत्तर प्रदेश